राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 03 दिसंबर 2025
वर्ष 16, अंक 65, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

विद्युत पोल से निकली चिंगारी घर में लगी आग सारा सामान जलाकर खाक, कई कुंतल अनाज और बाइक भस्म...03

नामामिगंगे का ठेकेदार भूल गया सड़क बनवाना, दलदल में तब्दील सड़क पर रोज गिरते हैं बूढ़े और बच्चे...04

बिहार चुनावः हकीकत से कोसों दूर राहुल गांधी, लगाते हैं EC-SIR की रट, रिव्यू मीटिंग में उम्मीदवारों ने खोली पोल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष की सभी रणनीति धरी की धरी रह गई. प्रदेश के लोगों ने 20 साल से चली आ रही सरकार पर ही भरोसा जताया. तेजस्वी यादव और राहुल गांधी की जोड़ी को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा. चुनाव से ठीक पहले बिहार में चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट को संशोधित करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान चलाया. चुनाव आयोग के इस कदम से मतदाता सूची से नाम कटे तो जुड़े भी. विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के इस कदम का मकसद उसके वोटर्स के नाम को काटना था. इसमें केंद्र सरकार को भी लपेटा गया. आयोग और विपक्ष के बीच इसको लेकर बयानबाजियां भी हुई. चुनाव आयोग ने विपक्ष के सभी सवालों का जवाब भी दिया, पर विवाद थमा नहीं. इस बीच, विपक्ष इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच भी गया. राहुल गांधी ने बकायदा वोटर्स अधिकार यात्रा भी की. विपक्ष के तमाम नेताओं का इसमें महाजुटान भी हुआ. यहां तक की तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी इसमें शिरकत की थी. कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत पूरे आलाकमान ने इसमें जी जान लगा दी. 'वोट चोरी' का अभियान भी चलाया गया. कांग्रेस के नेता और आलाकमान इसी में उलझा रहा. जनता से जुड़े मुद्दे (जैसे बिजली, पानी, शिक्षा, सुरक्षा आदि) से विपक्ष कट सा गया. हार के बाद कांग्रेस ने समीक्षा बैठक की जिसमें टॉप लीडर्स के साथ ही बिहार चुनाव में उम्मीदवार रहे नेताओं ने भी शिरकत की. जमीन पर काम करने वाले नेताओं ने इस बैठक में जो बातें बताई वे वास्तव में चौंकाने वाली रहीं।

कांग्रेस हाईकमान और बिहार के नेताओं के बीच तकरीबन 4 घंटे तक बैठक चली. समीक्षा बैठक के बाद कांग्रेस के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने एक्स पर पोस्ट कर इसके बारे में जानकारी दी. उन्होंने कहा, 'आज हमारे उम्मीदवारों और बिहार के नेताओं के साथ कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की मौजूदगी में हुई 4 घंटे की बैठक में एक बात साफ सामने आई - बिहार चुनाव असली जनमत नहीं था, बल्कि पूरी तरह से मैनेज किया गया और मनमुताबिक बनाया गया नतीजा था. नेताओं ने बताया कि कैसे SIR के जरिए चुनिंदा वोटरों के नाम काटे गए और संदिग्ध नाम जोड़े गए. कैसे कथित MMRY योजना के नाम पर खुलेआम पैसे बांटकर वोटरों को प्रभावित किया गया, वह भी कई जगह मतदान केंद्रों पर. साथ ही कई सीटों पर एक जैसे अंतर से आए नतीजों ने यह पैटर्न दिखा दिया कि कोई भी स्वतंत्र चुनाव आयोग इसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता था.' दूसरी तरफ, वेणुगोपाल के बयान के उलट बिहार में मिली बड़ी चुनावी हार के बाद कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी की रणनीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं. उनका कहना है कि पार्टी ने चुनाव के दौरान महंगाई, रोजगार, पलायन और भ्रष्टाचार जैसे असली स्थानीय मुद्दों को छोड़कर ज़रूरत से ज़्यादा ध्यान SIR/वोट चोरी पर लगा दिया. नेताओं का मानना है कि इससे मतदाताओं तक सही संदेश नहीं जा पाया और पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ा।

कांग्रेस नेताओं ने कौन सी 3 वजहें गिनाई?

कुछ स्थानीय पदाधिकारियों ने तीन बड़ी वजहें गिनाई. इन नेताओं ने कहा कि चुनाव के दौरान सरकार की ओर से महिलाओं को 10,000 की आर्थिक मदद, बूथ स्तर पर गड़बड़ियां और गठबंधन दलों में तालमेल की कमी हार की बड़ी वजहें रहीं. वहीं, कई नेताओं ने AIMIM को सीमांचल और आसपास के इलाकों में अल्पसंख्यक वोटों के बंटवारे के लिए जिम्मेदार ठहराया. आरोप यह भी लगा कि बीजेपी ने चुनाव ठीक करने के लिए SIR, EVM, वोट खरीदने और प्रशासनिक दबाव जैसे कई तरीकों का इस्तेमाल किया. बिहार में हार के कुछ दिन बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल ने उम्मीदवारों और सांसदों से बैठक कर समीक्षा की. तकरीबन 70 लोगों ने अलग-अलग बैचों में आला नेतृत्व से मुलाकात की. बैठक शुरू होने से पहले ही दो हार चुके उम्मीदवारों के बीच बहस हो गई. एक उम्मीदवार को इस बात पर आपत्ति थी कि दूसरा बाहरी लोगों को टिकट देने पर हिंसा की बात उठा रहा था. बताया जा रहा है कि नेताओं को बैचों में बुलाने का मकसद भी संभावित टकराव से बचना था।

सवालों का क्या जवाब?

कुछ नेताओं ने टिकट बंटवारे की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए और कहा कि गलत चयन ने पार्टी को नुकसान पहुंचाया. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एक नेता ने राहुल गांधी से कहा कि जैसे उन्होंने 2019 की लोकसभा हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया था, वैसे ही बिहार में भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए. यह टिप्पणी राज्य के प्रभारी कृष्ण अल्लावरु पर अप्रत्यक्ष निशाना मानी गई. कई अन्य नेताओं ने भी इस मुद्दे को उठाया. पार्टी के एक धड़े ने राजद से गठबंधन पर भी सवाल खड़ा किया. उनका कहना था कि राजद कुछ वोट दिलाता है, लेकिन उसकी वजह से अन्य समुदाय कांग्रेस के खिलाफ पोलराइज हो जाते हैं. कई नेताओं ने कांग्रेस-राजद गठबंधन तोड़ने की मांग भी की. हालांकि, एक बैठक में राहुल गांधी ने इस तर्क को खारिज किया और पूछा कि जब उन सीटों पर कांग्रेस और राजद एक-दूसरे के खिलाफ लड़े और 'फ्रेंडली फाइट' हुई, तब कांग्रेस क्यों नहीं जीत सकी?

बाबर भी मर चुका है और बाबरी भी... TMC विधायक के बयान पर बोले हरियाणा के मंत्री अनिल विज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (TMC) विधायक हुमायूं कबीर के बाबरी मस्जिद की नींव रखने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है. विधायक ने नई बाबरी मस्जिद बनाने की बात कही है जिसको लेकर बवाल मचा हुआ है. बीजेपी उनके इस बयान को लेकर हमलावर है. पार्टी के तमाम नेताओं ने विधायक के बयान की निंदा की है. वहीं अब इस मामले पर हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने पलटवार किया है. मंत्री अनिल विज ने कहा कि बाबर मर चुका है और बाबरी मस्जिद भी अब नहीं है. उन्होंने कहा कि ऐसे बयान पूरी तरह से भड़काऊ और ज्ञानहीनता से भरे होते हैं. उन्होंने विधायक हुमायूं कबीर को करारा जवाब देते हुए कहा कि बाबर भी मर चुका है औ बाबरी भी मर चुकी है।

'बाबर का ऐतिहासिक अस्तित्व खत्म'

शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए विज ने कहा कि बाबर का ऐतिहासिक अस्तित्व खत्म हो चुका है और बाबरी मस्जिद भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इतिहास का हिस्सा बन गई है. उन्होंने कहा 'इस्लाम पुर्नजन्म को नहीं मानता, पुर्न जन्म को केवल हिन्दू धर्म मानता है लेकिन इस्लाम में पुर्नजन्म नहीं है, अगर ये ऐसा करेंगे तो ये इस्लाम के नियम को ही बदल देंगे, इस्लाम को ही बदल देंगे'।

'इस्लाम पुर्न जन्म को नहीं मानता'

विज ने विधायक हुमायूं कबीर पर तंज कसते हुए कहा कि ये वो लोग कह रहे है जिनको अपने ही धर्म का ज्ञान नहीं है. उन्होंने कहा कि इस्लाम पुर्न जन्म को नहीं मानता, जो अपने ही धर्म का ज्ञान नहीं रखते, वो इस्लाम के नियम बदल देंगे. उन्होंने कहा कि अगर कोई बाबरी मस्जिद को पुनर्जन्म देने की बात करता है, तो पहले उसे इस्लाम के सिद्धांतों और नियमों को ही बदलना पड़ेगा. उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान समाज में अनावश्यक विवाद पैदा करने के अलावा कुछ नहीं करते।

'कुछ नेता सिर्फ सुर्खियां बटोरने के लिए ऐसे बयान देते हैं'

मंत्री ने कहा कि देश की न्यायपालिका ने अयोध्या विवाद पर अंतिम फैसला दे दिया है, जिसे सभी समुदायों ने स्वीकार भी किया है.उन्होंने कहा कि ऐसे में नई बाबरी मस्जिद जैसी बातें उठाना, देश की सद्भावना और शांति को भंग करने की साजिश जैसा प्रतीत होता है. विज ने विपक्ष के इस रुख को राजनीतिक स्टंट बताते हुए कहा कि कुछ नेता सिर्फ सुर्खियां बटोरने के लिए ऐसे बयान देते हैं, जिनका न तो तथ्य से कोई संबंध होता है और न धार्मिक सिद्धांतों से।

6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव

दरअसल TMC विधायक हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखने का एलान किया है. इस पर विवाद को लेकर उन्होंने कहा कि '464 साल पहले, बाबर के सैन्य कमांडर ने मस्जिद का निर्माण कराया. उन्होंने मस्जिद को तबाह करके वहां राम मंदिर का निर्माण कराया और किसी ने भी इसका विरोध नहीं किया. अब जब मैं बाबर के नाम पर मस्जिद बनवाना चाहता हूं तो इसका विरोध क्यों हो रहा है?'

TMC विधायक हुमायूं कबीर ने कही ये बात

विधायक ने कहा कि 'अगर देश का गृह मंत्रालय ऐसा कोई निर्देश जारी करता है कि किसी भी मस्जिद का नामकरण बाबर के नाम पर नहीं होगा तो मैं उनकी बात मानूंगा और मस्जिद का दूसरा नाम रखने पर विचार करूंगा.अगर वे मेरा सिर कलम करना चाहते हैं तो वे मस्जिद के शिलान्यास के समय आ सकते हैं, मैं इसके लिए तैयार हूं. मैं चुनौती देता हूं कि मुर्शिदाबाद आएं और मेरा सिर कलम करें, मैं खुद को बलिदान करने के लिए तैयार हूं. हम मस्जिद बनाकर रहेंगे'।

बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के पोस्टर

मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के पोस्टर लगाए गए हैं, जिस पर लिखा है- 6 दिसंबर को बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का शिलान्यास समारोह होगा. टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर को शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजनकर्ता बताया गया है. खुद विधायक ने कहा कि 6 दिसंबर को हम बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे. इसका निर्माण तीन साल में पूरा हो जाएगा. कई मुस्लिम नेता कार्यक्रम में शामिल होंगे।

बीजेपी विधायक शुभेंदु अधिकारी ने साधा निशाना

टीएमसी विधायक के बयान पर बीजेपी विधायक शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि 'इनकी मंशा बंगाल में अस्थिरता फैलाकर बंटवारे की राजनीति करने की है. हमें किसी भी धार्मिक स्थल के निर्माण से आपत्ति नहीं है, लेकिन बाबर के नाम पर भड़काकर और इसे खास तारीख (6 दिसंबर) से जोड़ना सुप्रीम कोर्ट और देश के संविधान को चुनौती है'।

संक्षिप्त ख़बरें

6 दिसंबर से 5 दिन चलेगी लखनऊ इंटरसिटीः कोहरे के कारण कई ट्रेनें रद, होशियारपुर एक्सप्रेस में भी बदलाव

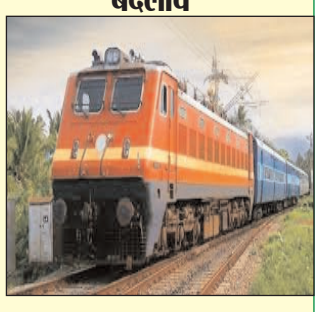

आगरा। संभावित कोहरे को देखते हुए एक दिसंबर से कई ट्रेनों को रद किया जा रहा है। आगरा कैंट-होशियारपुर एक्सप्रेस सहित अन्य शामिल हैं। होशियारपुर एक्सप्रेस का संचालन सोमवार, बुधवार, शुक्रवार को नहीं होगा। छह दिसंबर से लखनऊ इंटरसिटी शनिवार और रविवार को नहीं चलेगी। वर्तमान में यह ट्रेनें सप्ताह में हर दिन चलती हैं। ट्रेनों में यह बदलाव 28 फरवरी तक रहेगा।

28 फरवरी तक सात दिनों के बदले पांच दिन ही होगा संचालन

रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए रद हुई ट्रेनों और रूट में बदलाव वाली ट्रेनों का प्रचार प्रसार कराया जा रहा है। ताज एक्सप्रेस का संचालन ग्वालियर से झांसी के मध्य नहीं होगा। यह व्यवस्था एक दिसंबर से बदलेगी।

जनवरी और फरवरी में रद रहेंगी 34 ट्रेनें

आगरा। दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा जनवरी और फरवरी में काजीपेट से बल्हारशाह खंड के मध्य तीसरी रेल लाइन की मरम्मत का कार्य कराया जाएगा। इसके चलते जनवरी और फरवरी में 34 ट्रेनों को रद कर दिया गया है। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि गोरखपुर-तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस, बरौनी-एर्णाकुलम एक्सप्रेस, एर्णाकुलम-बरौनी एक्सप्रेस, यशंतवपुर-योगनगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस, बेंगलुरु- कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस, चरलापाल्ली- निजामुद्दीन एक्सप्रेस, हैदराबाद-देहरादून एक्सप्रेस प्रमुख रूप से शामिल हैं।

SIR को लेकर विपक्ष को तगड़ा झटका, सुप्रीम कोर्ट ने लगा दी चुनाव आयोग के अधिकार पर मुहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देश के 12 राज्यों में चल रहे गहन वोटर पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर विपक्ष को तगड़ा झटका लगा है. आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर कराने के लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती. चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास ऐसा करने का पूरा संवैधानिक और कानूनी अधिकार है. शीर्ष अदालत ने इस प्रक्रिया को रोकने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि अगर इसमें कोई अनियमितता सामने आई तो वह तुरंत सुधार के आदेश देगा. चीफ जस्टिस सूर्याकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की बेंच ने राजद सांसद मनोज झा की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि एसआईआर की जरूरत पर सवाल उठाने वाले तर्कों में दम नहीं है. सीजेआई ने याद दिलाया कि पिछले निर्देश पर चुनाव आयोग ने प्रक्रिया में सुधार किया था और उसके बाद एक भी औपचारिक आपत्ति दर्ज नहीं हुई है।

कपिल सिब्बल ने क्या दी दलील?

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक याचिकाकर्ता की तरफ से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने एसआईआर की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाया. उन्होंने दलील दी कि देश में लाखों-करोड़ों लोग निरक्षर हैं जो फॉर्म नहीं भर सकते. उनका कहना था कि मतदाता गणना फॉर्म भरवाना ही अपने आप में लोगों को सूची से बाहर करने का हथियार बन गया है. सिब्बल ने कोर्ट से सवाल किया कि मतदाता को गणना फॉर्म भरने के लिए क्यों कहा जा रहा है? चुनाव आयोग को यह तय करने का अधिकार किसने दिया कि कोई व्यक्ति भारतीय नागरिक है या नहीं? आधार कार्ड में जन्म तिथि और निवास स्थान दर्ज है. 18 साल से ऊपर कोई व्यक्ति अगर स्व-घोषणा कर दे कि वह भारतीय नागरिक है तो उसे मतदाता सूची में शामिल करने के लिए यही काफी होना चाहिए।

क्या बोले सीजेआई सूर्यकांत?

इस पर सीजेआई सूर्याकांत ने सिब्बल से कहा कि सिब्बल साहब, आपने दिल्ली में चुनाव लड़ा है, वहां बहुत लोग वोट डालने नहीं आते. लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में चुनाव त्योहार की तरह मनाया जाता है. वहां हर व्यक्ति को पता होता है कि गांव का निवासी कौन है और कौन नहीं. वहां अधिकतम मतदान होता है और लोग अपने वोट को लेकर बहुत सजग रहते हैं. कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि मतदाता सूची को शुद्ध और अपडेट रखना चुनाव आयोग का संवैधानिक दायित्व है और इसके लिए वह जरूरी कदम उठा सकता है. बेंच ने स्पष्ट किया कि एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर कोई ठोस शिकायत अभी तक सामने नहीं आई है, इसलिए इसे रोकने का कोई आधार नहीं बनता. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि अगर कोई वास्तविक शिकायत या अनियमितता सामने आती है तो वह तुरंत हस्तक्षेप करेगा और सुधार के आदेश देगा. कोर्ट ने यह भी भरोसा दिलाया कि कोई भी पात्र मतदाता इस प्रक्रिया की वजह से अपने अधिकार से वंचित न हो, इसके लिए वह चौकस रहेगा।

मनोज झा के क्या थे तर्क?

राजद सांसद मनोज झा ने अपनी याचिका में एसआईआर को लोगों को मताधिकार से वंचित करने की सुनियोजित कोशिश बताया था. कोर्ट ने हालांकि प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा कि अभी तक कोई ऐसा सबूत नहीं दिया गया है जिससे यह लगे कि यह प्रक्रिया व्यापक स्तर पर लोगों को नुकसान पहुंचा रही है. यह मामला अब आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध रहेगा, लेकिन फिलहाल एसआईआर का काम पूरे देश में निर्बाध रूप से जारी रहेगा।

वाचर की मिलीभगत से सरकारी सेमल के पेड़ों पर चला आरा, दो दिन पहले कटे कई पेड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। दक्षिण खीरी वन प्रभाग की शारदा नगर रेंज के फूलबेहड़ बीट में सरकारी सेमल के पेड़ों का अवैध कटान लगातार बढ़ता जा रहा है। आरोप है कि इस कटान में वन विभाग के न्यूनतम वेतन पर कार्यरत कर्मचारी अकरम के भाई दनकू की मिलीभगत है, जो लंबे समय से क्षेत्र में लगे सरकारी पेड़ों पर आरा चलवा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि दनकू अपने साथियों के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से पेड़ों की चोरी कर रहा है और वन विभाग के स्थानीय कर्मचारियों की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। सूत्रों के अनुसार, दनकू को अपने भाई अकरम का सीधा संरक्षण प्राप्त है। इसी वजह से वह बिना किसी भय के सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहा है। बताया जा रहा है कि बीते दो दिन पहले श्रीनगर बंधा के पास लगे कई सरकारी सेमल के पेड़ों पर रातों-रात आरा चलाया गया। इस अवैध कटान में दनकू के साथ जव्वाद नाम के व्यक्ति की भी मिलीभगत सामने आई है। काटे गए पेड़ों को ट्रॉलियों में भरकर अज्ञात स्थानों पर बेच दिया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्षेत्र में कई दिनों से लगातार पेड़ों की चोरी हो रही है, लेकिन विभाग कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूरी कर रहा है। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो क्षेत्र का हरा-भरा वन क्षेत्र बर्बाद हो जाएगा। ग्रामीणों ने वन विभाग के उच्च अधिकारियों से मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही आरोपित कर्मचारियों और उनकी मिलीभगत में शामिल लोगों पर FIR दर्ज करने की मांग भी की गई है।

S.I.R कार्य में लापरवाही में एबीएसए पर मुकदमा दर्ज, डीएम के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट ने की कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

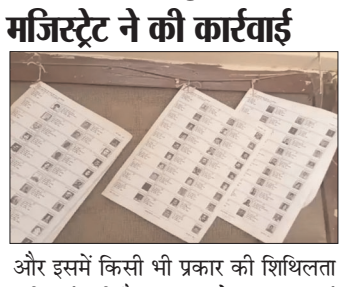

सीतापुर जनपद सीतापुर में सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी (ABSA) कुलदीप कुमार के खिलाफ गंभीर लापरवाही के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। जिला प्रशासन की समीक्षा बैठक के दौरान सुदृढ़ीकरण एवं पुनरीक्षण (S.I.R.) कार्यों में प्रगति न मिलने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई इसके बाद उनके निर्देश पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सिटी मजिस्ट्रेट ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 के तहत ABSA के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है डीएम द्वारा की गई समीक्षा में बूथ संख्या 50 से 150 तक S.I.R. संबंधित कार्यों में कोई भी प्रगति नहीं पाई गई कई बार निर्देश देने के बाद भी रिपोर्ट न देने और अभियान में रुचि न दिखाने पर एबीएसए की भूमिका संदिग्ध मानी गई। यही नहीं, बैठक के दौरान उनका मोबाइल फोन बंद पाया गया और कई बार निर्देश के बावजूद लापरवाही पर चुनावी कार्य प्रभावित हुआ प्रशासन का कहना है कि निर्वाचन कार्य अत्यंत संवेदनशील होता है और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं है। ABSA को S.I.R. कार्य में नियुक्त किया गया था, लेकिन लगातार लापरवाही और जवाबदेही न निभाने के कारण उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की गई शहर कोतवाली में दर्ज किए गए इस मुकदमे के बाद संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारियों और निष्पादन की भी जांच की जाएगी मामले को लेकर शिक्षा विभाग और प्रशासनिक महकमों में चर्चा तेज है चुनावी तैयारियों के बीच एक अधिकारी के खिलाफ की गई सख्त कानूनी कार्रवाई से अन्य विभागीय कर्मियों को भी आवश्यक सतर्कता बरतने का संकेत दिया गया है प्रशासन का कहना है कि निर्वाचन संबंधी कार्यों में लापरवाही बरतने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा!!

बंगाल में SIR: संदेशखाली में कैमरे के सामने आए घुसपैठिये, बोले- हां, हमारा घर बांग्लादेश में, इलाके में गहराया तनाव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली ब्लॉक-2 के कोराकाटी ग्राम पंचायत क्षेत्र में एक बार फिर घुसपैठ का गंभीर मामला सामने आया है. स्थानीय निवासियों ने दावा किया है कि बूथ नंबर 235 के अंतर्गत कई बांग्लादेशी नागरिक वर्षों से अवैध रूप से रह रहे हैं और सरकारी योजनाओं का लाभ भी ले रहे हैं. इन लोगों ने कथित तौर पर स्थानीय नेताओं की मदद से आधार कार्ड, वोटर कार्ड, राशन कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज बनवाए हैं. ये लक्ष्मीर भंडार जैसी मुफ्त राशन की सुविधाएं प्राप्त कर रहे हैं. विशेष गहन संशोधन (SIR) प्रक्रिया शुरू होने के बाद यह मामला प्रकाश में आया है. ग्रामीणों का आरोप है कि ये बांग्लादेशी नागरिक कई साल पहले सीमा पार करके आए थे और कुछ स्थानीय नेताओं के संरक्षण में यहां बस गए. दस्तावेज बनवाने के बाद ये लोग पूरी तरह भारतीय नागरिक बनकर रहने लगे. ग्रामीणों ने कई नाम सामने रखे हैं. इनमें एक व्यक्ति शाहीन गाजी हैं, जो स्थानीय जमीर गाजी का बेटा बताकर रह रहा है, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार वह मूल रूप से बांग्लादेशी है. शाहीन वर्तमान में तमिलनाडु में कपड़े बेचने का काम करता है. इसी तरह एक महिला मरजीना बीबी पर भी बांग्लादेशी होने का आरोप है. ग्रामीणों का कहना है कि वह अपने चाचा नूर अली गाजी की बेटी बनकर रह रही है।

हां मेरा घर बांग्लादेश में

हालांकि, मरजीना ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि वह तो यहीं की रहने वाली है, सिर्फ उसका पति बांग्लादेशी है. मरजीना के पति गफुर मोल्ला ने खुलकर स्वीकार किया कि मेरा घर बांग्लादेश के पारुली गोरुर हाट में है. मैं अवैध तरीके से भारत आई और कभी वापस नहीं गई. गफुर के पास वोटर कार्ड नहीं है, लेकिन उसने बताया कि उसे खाद्य सुरक्षा योजना के तहत चावल-गेहूं मिलता है और उसके पास अन्य सरकारी दस्तावेज भी हैं. ग्रामीणों ने एक और महिला अंजुरा शेख का नाम लिया, जो कथित रूप से अमीरुल शेख की बेटी बनकर वोटर कार्ड बनवाई और अवैध रूप से रह रही है. इसी तरह हबीबुल शेख पर आरोप है कि उसने अपने ससुर को दस्तावेजों में पिता दिखाकर भारतीय पहचान बनाई और अब वह दूसरे राज्य में मजदूरी करता है. ग्रामीणों का कहना है कि बूथ नंबर 235 में ऐसे दर्जनों बांग्लादेशी परिवार रह रहे हैं. एक बुजुर्ग ग्रामीण ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हम सालों से देख रहे हैं कि नए-नए लोग आकर बस जाते हैं. पहले इनकी भाषा, रहन-सहन सब अलग लगता था, लेकिन दस्तावेज बन जाने के बाद कोई कुछ नहीं बोलता. अब SIR शुरू हुआ है तो सच सामने आ रहा है. इस मामले ने इलाके में भारी तनाव पैदा कर दिया है. स्थानीय लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि सभी संदिग्धों की गहन जांच हो और घुसपैठियों को बाहर किया जाए. एक युवक ने कहा कि हमारे इलाके की असली आबादी को जो सुविधाएं मिलनी चाहिए, वे बाहर से आए लोगों को मिल रही हैं. यह सरासर अन्याय है.

बीजेपी आक्रामक

बीजेपी नेताओं ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया है. प्रदेश बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि संदेशखाली पहले शाहजहां शेख के अत्याचार के लिए चर्चा में था, अब बांग्लादेशी घुसपैठ का खुलासा हो रहा है. यह राज्य सरकार की नाकामी है कि सीमा सुरक्षा के नाम पर सिर्फ खानापूर्ती हो रही है. तृणमूल कांग्रेस ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है. स्थानीय तृणमूल नेता ने कहा कि SIR प्रक्रिया चल रही है, जो भी गलत होगा, उसे सुधार लिया जाएगा. बिना सबूत के आरोप लगाना ठीक नहीं. जिला प्रशासन ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है. डीएम ऑफिस के एक अधिकारी ने बताया कि हमें शिकायतें मिली हैं. सभी नामों की सूची बनाई जा रही है और संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है. जो भी अवैध पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी. संदेशखाली पहले भी राजनीतिक हिंसा और महिलाओं पर अत्याचार के मामले में सुर्खियों में रहा था. अब बांग्लादेशी घुसपैठ का नया मामला इलाके के सामाजिक ताने-बाने पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है. आने वाले दिनों में SIR प्रक्रिया के दौरान और कितने ऐसे मामले सामने आएंगे, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं।

एड्स: वह लड़ाई जो शरीर नहीं, समाज हार रहा है

[एड्स की असली लड़ाई: शरीर से नहीं, कलंक से]
[वायरस से बड़ी बीमारी: हमारी सोच का संक्रमण]

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ सत्य ऐसे हैं जिन्हें जितना समझना चाहें, वे उतनी ही गहराई में हमें नए प्रश्नों के सामने खड़ा कर देते हैं। यह दुनिया कभी सिर्फ बीमारियों से नहीं बिखरी–यह हमेशा गलतफहमियों, चुप्पियों और उस मौन भय से टूटी है जो हमारी सोच के अंधे कोनों में धीरे-धीरे पनपता रहता है। एचआईवी/एड्स भी ऐसा ही एक सत्य है–सिर्फ संक्रमण नहीं, बल्कि मनुष्य की सामाजिक संरचना, वैज्ञानिक खोज, नैतिक अवधारणाओं और हमारी सामूहिक जिम्मेदारियों की कठोर परीक्षा। विश्व एड्स दिवस इस परीक्षा का स्मरण नहीं, बल्कि उस मानव साहस की पुनर्पुष्टि है जो हर अंधकार में रोशनी तलाशने की जिद लिए खड़ा रहता है। हम अक्सर एड्स को केवल एक बीमारी मान लेते हैं, जबकि वास्तव में यह तीन जटिल परतों में बंटी एक गहन चुनौती है–विज्ञान की चुनौती, समाज की चुनौती और चेतना की चुनौती। विज्ञान की चुनौती सबसे सीधी दिखती है: वायरस शरीर में कैसे प्रवेश करता है, प्रतिरक्षा प्रणाली को कैसे तोड़ता है, दवाएं कैसे काम करती हैं और उपचार लंबा क्यों चलता है। पर कम सुना गया वह वैज्ञानिक संघर्ष है जिसने वर्षों तक असफल प्रयोगों, कठोर परीक्षणों और मानवीय पीड़ा के बीच इस वायरस को समझने की कोशिश की। दुनिया भर की प्रयोगशालाओं में शोधकर्ता इसकी हर नई चाल से जूझते रहे–कभी यह जानने के लिए कि यह कोशिकाओं को भीतर से कैसे ढहाता है, तो कभी यह समझने के लिए कि यह अपना रूप बदलकर दवाओं को कैसे मात देता है। यह लड़ाई अभी भी अधूरी है; हम जितना इसे खत्म करने के करीब लगते हैं, यह अपनी ही परतों में उतना ही गहरे छिप जाता है। दूसरी और सबसे कड़ी परत समाज की है। एड्स जितना शरीर को तोड़ता है, उससे कहीं अधिक मनुष्य की गरिमा को घायल करता है। यह उन बीमारियों में से एक रही है जिसमें मरीज को रोग से पहले ही आरोपी बना दिया गया। लोग संक्रमित शरीर से ज्यादा संक्रमित चरित्र खोज लेते हैं–मानो बीमारी कोई नैतिक फैसला हो। क्या यह विडंबना नहीं कि एक सूक्ष्म वायरस हमें बताता है कि असली खतरा संक्रमण नहीं, हमारी दृष्टि का पूर्वाग्रह है? दुनिया के कई हिस्सों में आज भी लोग टेस्ट कराने से डरते हैं, क्योंकि भय वायरस का नहीं, समाज के तिरस्कार का है। गाँवों में, कस्बों में, यहाँ तक कि बड़े शहरों के शिक्षित घरों में भी यह बीमारी चिकित्सा तथ्य से अधिक चरित्र का आरोप बनकर उभरी। अभी भी फुसफुसाहट उठती है– 'उसे यह कैसे हो गया? '–पर विरले ही कोई पूछता है– 'उसे अब हमारी जरूरत कितनी होगी?' यही असंतुलन सबसे कम समझा गया सच है: एड्स का इलाज बढ़ रहा है, पर उससे जुड़ी शर्म का नहीं। तीसरी परत चेतना की है–वह भीतर की लड़ाई जिसे हर व्यक्ति को स्वयं लड़ना पड़ता है। यह संघर्ष केवल संक्रमित लोगों का नहीं, उन सभी का है जो जीवन और मानवता को समझते हैं। क्या हम जानते हैं कि आज विज्ञान इतनी आगे बढ़ चुका है कि एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति सामान्य जीवन, सामान्य आयु और सामान्य संबंधों के साथ पूरी तरह स्वस्थ रह सकता है? 'अनडिटेक्टेबल = अनट्रांसमिटेबल ', यह सिद्धांत वैश्विक विज्ञान की सबसे बड़ी जीतों में से एक है, पर क्या यह सच उतनी तेजी से फैला जितनी तेजी से भय और अफवाहें फैलीं? नहीं। भय लोगों को डॉक्टर के द्वार तक नहीं पहुंचने देता। भय टेस्ट कराने से रोकता है। भय दवा की नियमितता तोड़ता है। और यही भय वे दीवारें खड़ी करता है जिनके पीछे लोग चुपचाप टूटते हैं–जबकि वे बिल्कुल सामान्य जीवन जी सकते थे। वैज्ञानिकों ने वायरस को परास्त करने का मार्ग खोज लिया है, पर समाज अब भी डर के आगे झुक रहा है–और इस पराजय का कोई लेखा-जोखा दर्ज नहीं होता। विडंबना यह है कि एड्स से जुड़े सकारात्मक सत्य आज भी

उतनी मजबूती से नहीं बोले जाते, जितने शोर से कभी डर बोला गया था। आज भी अनगिनत लोगों को यह नहीं पता कि एआरटी (एंटी रेट्रोवाइरल थैरेपी) न केवल व्यक्ति को स्वस्थ रखती है, बल्कि उसे दूसरों के लिए पूरी तरह सुरक्षित भी बना देती है। कई लोग यह भी नहीं जानते कि सही देखभाल मिले तो एचआईवी पॉजिटिव गर्भवती महिला का बच्चा पूरी तरह स्वस्थ जन्म ले सकता है। और अनेक युवा यह समझे बिना बढ़ते हैं कि एड्स केवल असुरक्षित यौन संबंधों से नहीं, बल्कि असुरक्षित सुइयों, संक्रमित रक्त और अनजानी चिकित्सीय लापरवाहियों से भी फैल सकता है। यह सच जितना अनिवार्य है, उतना ही दुर्लभ चर्चा में मिलता है। एड्स हमें एक और अनकहा सबक देता है–यह बीमारी केवल शरीर पर नहीं, समय पर भी कब्जा कर लेती है। यह भविष्य की योजनाएँ तोड़ती है, रिश्तों में खामोशी का अंतराल बना देती है, और जीवन की लय रोक देती है। पर इसके बावजूद, इससे जूझने वालों के भीतर एक अद्भुत साहस जन्म लेता है–वह साहस जो कहता है कि बीमारी मेरी पहचान तय नहीं करेगी। दुनिया भर में लाखों लोग एड्स के साथ जीवन नहीं काट रहे, जीवन जी रहे हैं–काम कर रहे हैं, प्रेम कर रहे हैं, सपनों को आकार दे रहे हैं–और यही उनका साहस मानवता की सच्ची विजय है। एड्स का सबसे विचित्र सत्य यह है कि इसने मनुष्य के भीतर एक दुर्लभ समानता जगाई–यह बीमारी किसी जाति, धर्म, वर्ग, देश या पहचान को नहीं देखती। यह एक वैश्विक दर्पण है जिसमें पूरी दुनिया का चेहरा एक-सा दिखाई देता है–और उसी दर्पण में हम अपने आप से पूछते हैं: हम कितने मानवीय? कितने जागरूक? कितने संवेदनशील? बीमारी ने किसी को अकेला नहीं किया; उसे अकेला बनाने की भूमिका हमने निभाई। यही तथ्य शायद अधिकतर चर्चाओं से गायब रहा है। विश्व एड्स दिवस (01 दिसम्बर) पर हमें याद रखना चाहिए कि यह लड़ाई केवल वायरस से नहीं, हमारी सोच से है। यह वह क्षण है जब हमें भीतर झाँकना होगा–क्या हम अब भी बीमारी से पहले व्यक्ति को देखते हैं? क्या हम सच में जानते हैं कि विज्ञान कितनी दूर आ चुका है? क्या हम नई पीढ़ी को डर नहीं, विवेक देना चाहते हैं? और क्या हम उन लाखों लोगों के साथ खड़े हैं जो हर दिन अदृश्य साहस से जीते हैं? विश्व एड्स दिवस यही सिखाता है–कि लड़ाई वायरस से कम, और उस सोच से अधिक है जो मनुष्य को मनुष्य होने से रोकती है। यह वह दिन है जब हम स्वयं से वादा कर सकते हैं कि हम बीमारी नहीं, गलतफहमियों को मिटाएँगे; वायरस नहीं, कलंक को हराएँगे; डर नहीं, समझ को फैलाएँगे। अंततः यह संघर्ष विज्ञान से ज़्यादा मानवता का है, और यदि हम सच में मानवता का अर्थ समझते हैं, तो मानना होगा कि सम्मान, सहानुभूति और सत्य किसी भी दवा से अधिक प्रभावी हैं। वायरस अदृश्य है–पर यदि हम चाहें, हमारी संवेदनशीलता उससे कहीं अधिक शक्तिशाली बन सकती है। यह दिवस स्मरण नहीं, संकल्प का दिन है–उस दुनिया की ओर बढ़ने का, जहाँ बीमारी का भय नहीं, उपचार हो; और व्यक्ति का अपमान नहीं, सम्मान हो।

प्रो. आरके जैन

पुरुषोत्तम योग के माध्यम से कर्म से जोड़ती मध्यप्रदेश सरकार

मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार 1 दिसम्बर को गीता जयंती के पावन अवसर पर प्रदेशभर में गीता के पन्द्रहवें अध्याय 'पुरुषोत्तम योग' के सामूहिक पाठ का भव्य आयोजन कर एक नया कीर्तिमान रचने जा रही है। इस अद्वितीय पहल को लेकर पूरे प्रदेश में उत्साह का वातावरण है और जन-जन मुख्यमंत्री मोहन यादव की इस सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहल की सराहना कर रहा है। अनुमान है कि लाखों नागरिकों सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी भी इस कार्यक्रम में सहभागी होंगे। गीता जयंती पर सामूहिक पाठ का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उपदेश कर्मयोग के गूढ़ संदेश से परिचित कराना है–यह समझाने के लिए कि जीवन क्या है, और इसे सार्थक कैसे बनाया जा सकता है। आज की तकनीक-समृद्ध पीढ़ी विज्ञान और आधुनिकता में निपुण तो है, परंतु आत्मा और परमात्मा के संबंध में अब भी अनभिज्ञ बनी हुई है। ऐसे समय में गीता का ज्ञान अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है। श्रीमद्भगवद्गीता केवल हिंदू धर्म का पवित्र ग्रंथ भर नहीं है, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए मार्गदर्शक है। यह काम, क्रोध, लोभ और वासना जैसे मानवीय दोषों से ऊपर उठकर सत्कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है और मोक्ष का पथ प्रशस्त करती है। गीता का प्रत्येक शब्द भगवान श्रीकृष्ण की वाणी से निसृत है, जो मनुष्य को उसकी कमियों से मुक्त कर आदर्श जीवन की दिशा दिखाता है। प्रदेश के 55 जिला मुख्यालयों और 313 विकासखंडों में एक साथ पुरुषोत्तम योग का सामूहिक पाठ इसलिए भी विशेष महत्व रखता है कि इस अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण ने संसार की तुलना अश्वत्थ वृक्ष से की है, और जीवन-मरण के चक्र से मुक्त होकर पुरुषोत्तम बनकर परब्रह्म की प्राप्ति का मार्ग बताया है। गीता के कुल 18 अध्याय और 700 श्लोक हैं, जिनमें पन्द्रहवें अध्याय के 20 श्लोक जीवन और कर्म के गूढ़ रहस्यों को उजागर करते हैं। गौरतलब है कि गीता किसी धर्म, जाति या समुदाय का ग्रंथ नहीं, बल्कि सार्वभौमिक ज्ञान का शाश्वत स्रोत है। हर युग में उसने मानव को आदर्शों पर चलने, सत्य मार्ग अपनाने और जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाने की प्रेरणा दी है। आधुनिक भौतिकवादी युग में जहां मनुष्य आर्थिक रूप से समृद्ध होते हुए भी मानसिक और शारीरिक रूप से असंतुष्ट है, वहां गीता के सिद्धांत जीवन में दिव्यता और संतुलन स्थापित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है ! जीवन को सुखमय, निरामय और आदर्शमय बनाने के लिए मनुष्य को जात-पात और धर्म के संकीर्ण दायरों से ऊपर उठकर भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों को आत्मसात करना होगा। तभी मनुष्य अपने परम तत्व को पहचानकर मोक्ष की ओर अग्रसर हो सकता है। मध्यप्रदेश सरकार का यह सामूहिक गीता पाठ निश्चित ही अभिनंदनीय और समाज को जोड़ने वाला प्रयास है। मुख्यमंत्री

श्री मोहन यादव और उनकी सरकार इस सफल एवं पवित्र मनोरथ के लिए निस्संदेह बधाई के पात्र हैं। साथ ही, यह अपेक्षा भी की जाती है कि प्रदेश सरकार शिक्षा प्रणाली में भी गीता के अध्ययन को अनिवार्य रूप से सम्मिलित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए। कक्षा पाँच से लेकर स्नातकोत्तर तक गीता के सिद्धांतों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, जिससे आने वाली पीढ़ी श्रीकृष्ण के आदर्शों से प्रेरित होकर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सके।

अरविंद रावल

सत्य की शक्ति मानव को असीमित शक्ति और अतुल्य बल प्रदान करती है

परिवर्तन सृष्टि का अनवरत गतिसत्य एवं पुरुषार्थ से परिश्रम,जीवन में सफलता का सम्यक पैमाना।मान नियम है; यही वह अक्षय शक्ति है जिसके प्रभाव से ब्रह्मांड से लेकर सूक्ष्मतम कण तक निरंतर रूपांतरण की प्रक्रिया से गुजरते हैं। समय की धारा में नवीन मूल्यों का उद्भव और जर्जर मूल्यों का विस्थापन एक शाश्वत सत्य की भाँति सदा से स्वीकार्य रहा है। मानव सभ्यता का सम्पूर्ण इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि उन्नति की हर सीढ़ी अदम्य जिज्ञासा, जिजीविषा, प्रबल उत्साह, निडर आशावादिता और अविरत पुरुषार्थ के बल पर ही संभव हुई है। स्वामी विवेकानंद के शब्द– 'सत्य की शक्ति मानव को असीमित शक्ति और अतुल्य बल प्रदान करती है '– केवल उपदेश मात्र नहीं, बल्कि अनुभव-सिद्ध और आत्म-साक्षात्कार से उद्भूत दर्शन है। मानव जीवन में सत्य और धन–ये दोनों तत्व सदैव से निर्णायक कारक रहे हैं, किन्तु इनकी परस्पर भूमिका समय और परिस्थिति के अनुसार बदलती रही है। सत्य का मूल्य सार्वकालिक, अपरिवर्तनीय और दिव्य है, जबकि धन का महत्व व्यवहारिक जीवन की सुगमता और व्यवस्थित समाज-निर्माण तक सीमित है। धन की उपस्थिति विकास के लिए आवश्यक अवश्य है, परंतु उसका अतिरेक व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की दिशा को दिग्भ्रमित कर सकता है। सत्य की भाँति स्थायी आधार पर धन का संतुलित प्रयोग ही विकास को सार्थक एवं मानवीय बनाता है। गलत मार्ग से अर्जित धन घोर अंधकार है, जबकि सत्य जीवन का शाश्वत प्रकाश–जिसकी आभा कभी मंद नहीं पड़ती। भारतीय दर्शन यही प्रतिपादित करता है कि धनबल सब कुछ नहीं; सत्य के अभाव में धन निरर्थक, अधूरा तथा अंततः विनाशकारी है। सत्य सिद्धांत के बिना धन की मीमांसा अधूरी है, ठीक वैसे ही जैसे शरीर प्राण के बिना। प्राचीन भारतीय परम्परा में धन जीवन के साधन रूप में प्रतिष्ठित हुआ, परंतु सत्य जीवन के परम उद्देश्य और चरम साधना के रूप में आदर प्राप्त करता आया है। निवृत्ति, संयम, त्याग, तप, संतोष और विवेक–इन मूल्यों की तुलना में भोगवाद को किसी भी समय वरीयता नहीं दी गई, अतः सत्य का गौरव कभी दमन नहीं हुआ। वेदों तथा पुराणों में कहा गया है कि 'सत्य का सुख स्वर्ण-पात्र में आच्छादित है; जब धन मुखर होता है तब सत्य नेपथ्य में चला जाता है, पर धन का अतिरेक होते ही सत्य पुनः उद्भासित हो उठता है '। सत्य सनातन शक्ति है, धन मिथ्या; धन क्षणभंगुर, सत्य अनादि-अनन्त। भारतीय संस्कृति ने सत्य को मन, वचन और कर्म की त्रिवेणी में अद्वैत के रूप में प्रतिष्ठित किया है। 'साँच को आंच नहीं', 'सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात', 'नैति सत्यं' जैसी कहावतें और मुंडक उपनिषद का दिव्य वाक्य 'सत्यमेव जयते' भारतीय चित्त और चरित्र की सर्वोच्च पहचान हैं। यही मंत्र आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है–जो केवल संविधान की शोभा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आत्मा की ध्वनि है। वैदिक दर्शन से लेकर जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई और इस्लामी चिंतन तक सभी ने सत्य को सर्वोपरि माना है। परंतु औद्योगिक क्रांति के पश्चात पश्चिम में भोगवाद और पूँजीवाद के विस्तार ने आर्थिक तत्व को प्रमुख जीवन-निर्धारक सिद्धांत बना दिया। वैश्वीकरण, उदारीकरण और पूँजी-केन्द्रित विकास की नयी दुनिया में राजनीति, समाज, धर्म, अध्यात्म, न्याय, शिक्षा, मीडिया, पर्यावरण, यहाँ तक कि पारिवारिक संबंध भी अर्थ-बल के नियमों पर संचालित होने लगे। आज स्थिति यह है कि धन के बल पर शक्ति, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान, सत्ता, निर्णय और प्रभाव खरीदा जाने लगा है। निर्धन का सत्य, चाहे वह कितना ही पवित्र अथवा तार्किक क्यों न हो, अक्सर महत्वहीन समझ लिया जाता है। इसके विपरीत धनवान का असत्य भी सम्मानित होकर आदर्श का रूप ले लेता है। न्यायपालिका, विधायिका तथा कार्यपालिका में सत्य के दमन के अनगिनत उदाहरण प्रतिदिन सामने आते हैं। न्याय अब गरीब का अधिकार न रहकर धनी वर्ग की मुट्ठी में बंद तिजोरी बन गया है–जहाँ निर्णय की कीमत तौल में मापी जाती है। चुनावों में धनबल का प्रभाव, मतदाताओं की खरीद-फरोख्त, मीडिया का दमन या प्रबंधन, व्यावसायिक और राजनीतिक भ्रष्टाचार–ये सब सत्य पर प्रश्नचिह्न बनकर उपस्थित हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर सम्पन्न देशों की दादागिरी सत्य को दबा देती है, और विकासशील देशों को बलि का बकरा बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। जलवायु सम्मेलन असफल इसलिए होते हैं क्योंकि धन की आवाज सत्य की पुकार को परास्त कर देती है। आज मनुष्य व्यक्तिगत स्तर पर भी दिन में अनेक बार धनबल, भय, स्वार्थ या सुविधा के लिए अपने अंतःकरण का दमन करता है और सत्य को मौन कर देता है। आधुनिक युग की यही विडंबना है– 'जब धन बोलता है तो सत्य मौन रहता है '–पर यह केवल आभासी सत्य है, दार्शनिक या आध्यात्मिक नहीं। क्योंकि सत्य जितना दबाया जाता है उतना ही प्रचंड हो उठता है। किंतु इसके बावजूद सत्य का वैश्विक महत्व, उसकी सार्वभौमिकता और उसकी अदम्य शक्ति को कोई नकार नहीं सकता। स्वामी विवेकानंद ने कहा– 'सत्य में वह सामर्थ्य है जो मनुष्य को असीम शक्ति और अतुल्य बल प्रदान कर सकती है। यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो तो विश्व की कोई शक्ति तुम्हें रोक नहीं सकती।' यही सत्यमेव जयते का वास्तविक संदेश है–सत्य की विजय अवश्यम्भावी है। सत्य ही जीवन का शाश्वत प्रकाश है, सत्य ही मनुष्य का सर्वोच्च धर्म है, सत्य ही प्रकृति का मूलाधार है, और सत्य ही मानवता की अंतिम आशा।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

हिंदी की सेवा में जीवन अर्पित करने वाले स्वतंत्रता सेनानी दत्रातेय बालकृष्ण कालेकर

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल रणभूमि के योद्धाओं का ही नहीं, बल्कि उन चिंतकों, शिक्षाशास्त्रियों, साहित्यकारों और पत्रकारों का भी इतिहास है जिन्होंने अपने लेखन, विचार और सामाजिक कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना को एक नई दिशा दी। ऐसे ही महान व्यक्तित्वों में दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेकर, जिन्हें देश प्रेम से काका कालेकर के नाम से जाना जाता है, का नाम अत्यधिक सम्मान से लिया जाता है। उनका जन्म 1 दिसम्बर 1885 को महाराष्ट्र के सतारा में हुआ। पारिवारिक संस्कारों, सरल जीवन और राष्ट्रप्रेम ने उनके व्यक्तित्व को बचपन से ही प्रभावित किया। आगे चलकर वे महात्मा गांधी के निकटतम अनुयायियों में शामिल हुए और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक व नैतिक शक्ति प्रदान करने वाले अग्रणी कार्यकर्ता बने। काका कालेकर का जीवन एक शिक्षक, साहित्यकार, पत्रकार, स्वतंत्रता सेनानी और सामाजिक सुधारक के रूप में अद्भुत विविधताओं से भरा था। वे मूलतः मराठी भाषी थे, परंतु हिंदी और गुजराती भाषा पर उनकी पकड़ इतनी प्रभावी थी कि दोनों भाषाओं के साहित्य को उन्होंने नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। यह उनकी भाषाई संवेदनशीलता और साहित्यिक प्रतिभा का ही परिणाम था कि वे हिंदी के प्रमुख लेखकों में शामिल हुए। उनकी साहित्यिक रचनाएँ सरलता, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत थीं। उनके जीवन में गांधीवादी विचारधारा की गहरी छाप थी। महात्मा गांधी से उनका प्रथम परिचय केवल लेखन के माध्यम से हुआ, लेकिन बाद में वे उनके निकट सहयोगी बन गए। सत्य, अहिंसा और स्वावलंबन के सिद्धांतों को उन्होंने केवल पुस्तकों में नहीं, बल्कि अपने जीवन के हर कदम में उतारकर दिखाया। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रहते हुए उन्होंने कई आंदोलनों का नेतृत्व किया, जेल गए और समाज को जागरूक करने के लिए अपने लेखन का लगातार उपयोग किया। गांधीजी के निधन के बाद 1948 में उन्हें गाँधी संग्रहालय का पहला संचालक नियुक्त किया गया। यह केवल एक प्रशासनिक पद नहीं था बल्कि गांधीजी की स्मृति, विचार और धरोहर को संरक्षित करने की जिम्मेदारी थी, जिसे काका कालेकर ने बड़ी निष्ठा से निभाया। साहित्य के क्षेत्र में काका कालेकर का योगदान अत्यंत विशाल है। उनकी रचनाओं में मानवीय अनुभूतियों की गहराई, सरल भाषा, देशभक्ति और आध्यात्मिक चिंतन का अप्रतिम मेल देखने को मिलता है। उनकी प्रमुख रचनाओं में जीवनलीला, जीवन-विहार, जीवन-साहित्य भाग 1 व 2, सप्त सरिता और हिमालय की यात्रा जैसे ग्रंथ शामिल हैं। ये रचनाएँ न केवल साहित्य का सौंदर्य बढ़ाती हैं बल्कि पाठक को अपने अंतर्मन में झांकने की प्रेरणा भी देती हैं। उनकी लेखनी में गुजरात और हिंदी साहित्य की अनूठी आत्मीयता दिखाई देती है। उन्होंने गांधीवादी विचारों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए अपनी भाषा को माध्यम बनाया। उनके निबंधों और पुस्तकों में एक ओर गहरी दार्शनिकता है तो दूसरी ओर अत्यंत सहज मानवीय भावनाएँ।यह द्वंद्व ही काका कालेकर को विशेष बनाता है। उनकी शैली सादगीपूर्ण, सहज और शांत प्रवाह वाली थी, जो पाठक के मन में गहरी छाप छोड़ती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राष्ट्र निर्माण में भी काका कालेकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान के लिए भारत सरकार द्वारा बनाए गए आयोग के वे अध्यक्ष रहे। यह आयोग उनके नाम से ही जाना गया,काका कालेकर आयोग। इस आयोग ने न केवल समाज में व्याप्त विषमताओं का अध्ययन किया बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उनकी दृष्टि में शिक्षा सामाजिक उत्थान का सबसे बड़ा उपकरण था। इसलिए उन्होंने जीवनभर शिक्षा को जनसुलभ, नैतिक और उपयोगी बनाने का प्रयास किया। साहित्य, समाज सेवा और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को देश ने कई उच्च सम्मानों से नवाज़ा। वर्ष 1964 में भारत सरकार ने उन्हें देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मविभूषण प्रदान किया। यह सम्मान केवल उनके कार्यों की उपलब्धि का नहीं, बल्कि उनके विचारों और जीवन के आदर्शों का भी सम्मान था। साहित्यिक क्षेत्र में भी उनकी उच्च उपलब्धि को मान्यता मिली। वर्ष 1965 में उन्हें जीवन व्यवस्था शीर्षक से लिखी अपनी कृति के लिए साहित्य पुरस्कार प्राप्त हुआ। काका कालेकर की जीवन यात्रा केवल तिथियों, घटनाओं और उपलब्धियों की सूची भर नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे मनुष्य की कहानी है जिसने राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य को सबसे ऊपर रखा। उनका पूरा जीवन गांधीवाद का चलता-फिरता उदाहरण था। वे सरल जीवन, उच्च विचार और मानवता की भावना से परिपूर्ण थे। उनकी वाणी में विनम्रता थी, विचारों में स्पष्टता और जीवन में अनुशासन। वे चंद पंक्तियों में ही लोगों को दिशा दे देते थे। उनकी रचनाएँ, भाषण और विचार आज भी सामाजिक सद्भाव, नैतिकता और राष्ट्रनिष्ठा का मार्ग

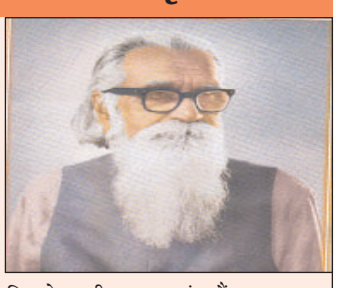

दिखाने वाली प्रकाश-स्तंभ हैं। 21 अगस्त 1981 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनका कार्य आज भी जीवंत है। उनका साहित्य नए भारत के युवाओं को प्रेरित करता है कि राष्ट्र केवल राजनीतिक स्वतंत्रता से नहीं बनता, बल्कि उसके निर्माण में भाषा, संस्कृति, शिक्षा और नैतिकता की भी उतनी ही बड़ी भूमिका होती है। काका कालेकर ने न केवल साहित्य को समृद्ध किया बल्कि समाज को भी नई सोच दी। आधुनिक भारत के इतिहास में वे उन दुर्लभ व्यक्तित्वों में से हैं जिन्होंने जीवन के हर क्षेत्र में उच्च आदर्श प्रस्तुत किए। आज जब हम उनके जीवन पर दृष्टि डालते हैं तो पाते हैं कि एक व्यक्ति सादगी और सेवा में कितना महान बन सकता है। काका कालेकर ने न केवल स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया बल्कि स्वतंत्र भारत का नैतिक मार्गदर्शन भी किया। उनकी हिंदी सेवा, शिक्षा के प्रति निष्ठा, सामाजिक न्याय के लिए समर्पण और साहित्यिक रचनाओं की शक्ति भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक धरोहर का अनमोल हिस्सा हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि विचारों की शक्ति किसी भी युग में समाज को बदल सकती है। काका कालेकर वास्तव में उन स्वतंत्रता सेनानियों की श्रेणी में आते हैं जिन्होंने अपनी स्याही और विचारों से भारत के भविष्य को आकार दिया। उनका जन्म केवल इतिहास की एक तारीख नहीं, बल्कि राष्ट्र को एक ऐसे व्यक्तित्व का मिलना था जिसने सेवा, साहित्य और सत्य के मार्ग पर चलकर यह दिखाया कि राष्ट्र निर्माण केवल नारे लगाने से नहीं, बल्कि सतत परिश्रम और नैतिक बोध से होता है। आज भी काका कालेकर का नाम हिंदी की सेवा, साहित्य की गरिमा और मानवता के आदर्शों के प्रतीक के रूप में लिया जाता है। उनका जीवन संदेश हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता की रक्षा केवल सीमाओं पर नहीं बल्कि विचारों और मूल्यों की रक्षा से होती है। काका कालेकर ने इसे अपने जीवन से सिद्ध किया, इसलिए वे सदैव प्रेरणा के स्रोत रहेंगे।

कांतिलाल मांडोत

हॉर्नबिल फेस्टिवल और नागालैंड

नागालैंड का इतिहास लगातार बदलती पहचानों, राजनीतिक संघर्षों और सांस्कृतिक दृढ़ता से निर्मित वह गाथा है जिसने भारत के उत्तर-पूर्वी भूभाग को एक विशिष्ट रूप दिया है। राज्य गठन की यात्रा और इसके साथ जुड़ा हॉर्नबिल फेस्टिवल केवल प्रशासनिक या सांस्कृतिक प्रसंग नहीं हैं, बल्कि वे उस समाज की जिजीविषा का प्रमाण हैं जिसने दशकों तक अपने स्वशासन, सम्मान और पारंपरिक एकता को बचाए रखने के लिए संघर्ष किया। आज जब हम 1 दिसंबर 1963 को भारत के सोलहवें राज्य के रूप में नागालैंड की स्थापना को याद करते हैं, तो यह केवल कैलेंडर का एक दिन नहीं, बल्कि समझौतों, संवाद, असंतोष और साझा सहमति की एक लंबी प्रक्रिया का अंतिम बिंदु भी है। स्वतंत्रता के तुरंत बाद नागाओं के भीतर स्वतंत्र पहचान की चाह तेजी से उभरने लगी। नागा नेशनल काउंसिल ने आत्मनिर्णय के अधिकार का सवाल बारीकी से उठाया और अपनी सांस्कृतिक व राजनीतिक स्वतंत्रता को लेकर कई बार भारत सरकार के साथ टकराव की स्थिति पैदा हुई। 1950 के दशक के मध्य तक यह प्रश्न आंदोलन से आगे बढ़कर संघर्ष में बदल चुका था। 1955 में सेना की तैनाती ने हिंसा को दबाने का प्रयास तो किया, लेकिन इससे अविश्वास की खाई और गहरी हुई। यह संघर्ष केवल राजनीतिक नहीं था; इसमें समाज की अस्मिता, प्रथाओं और अधिकारों की रक्षा की भावना भी शामिल थी। ऐसे माहौल में संवाद का रास्ता बेहद कठिन था, लेकिन समाधान के लिए विकल्प भी यही थे। इसी मोड़ पर 1957 में नागा हिल्स और तुएनसांग को मिलाकर 'नागा हिल्स-तुएनसांग एरिया' बनाया गया, जिसे संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष स्वायत्तता प्रदान की गई। यह व्यवस्था तत्कालीन असंतोष को शांत करने का प्रयास थी, परंतु नागाओं के राजनीतिक aspirations इससे संतुष्ट नहीं थे। यह भी स्पष्ट था कि प्रशासनिक ढांचे के भीतर उन्हें अधिक स्थायी और सम्मानजनक भूमिका की आवश्यकता थी। वर्षों की खींचतान और वार्ताओं के बाद 1960 में '16-सूत्री समझौता' हुआ, जिसके परिणामस्वरूप नागालैंड राज्य अधिनियम 1962 अस्तित्व में आया। इसी अधिनियम ने नागालैंड को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया और 1 दिसंबर 1963 को कोहिमा राजधानी के रूप में आधिकारिक रूप से नए राज्य का जन्म हुआ। यह क्षण नागाओं के लिए जितना राजनीतिक था, उतना ही मनोवैज्ञानिक भी–एक युगांतकारी परिवर्तन, जिसने उन्हें संवैधानिक पहचान भी दी और भारत के संघीय ढांचे के भीतर सम्मानजनक स्थान भी। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि राज्य गठन किसी संघर्ष का पूर्ण समाधान नहीं था। हह्ष्ट और उसके समर्थक गुटों के बीच अलग पहचान और स्वायत्तता की मांग बरकरार रही, जिसकी वजह से कई दशक शांति वार्ताओं और अस्थिरता के बीच बीते। लेकिन इसके बावजूद नागालैंड ने विकास, शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण और आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाए। इन तमाम चुनौतियों के बीच नागाओं ने अपनी परंपराओं को बचाए रखा, और यही वह धरातल है जहां से हॉर्नबिल फेस्टिवल की अवधारणा उभरती है। हॉर्नबिल फेस्टिवल, जिसे 'फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स' कहा जाता है, नागालैंड की सांस्कृतिक विरासत का ऐसा साझा मंच है जिसने राज्य की पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नया अर्थ दिया है। हर वर्ष 1 से 10 दिसंबर तक आयोजित होने वाला यह महोत्सव केवल नृत्य, संगीत और प्रदर्शन का रंगीन दृश्य नहीं, बल्कि नागाओं के सामाजिक ताने-बाने, परंपरा और सामुदायिक एकजुटता का प्रतीक है। कोहिमा के पास स्थित किशामा हेरिटेज विलेज इस दौरान उस जीवंत संग्रहालय में बदल जाता है, जहाँ नागालैंड की सभी 17 प्रमुख जनजातियाँ अपनी विशिष्ट वेशभूषा, लोकनृत्यों, शिल्प, संगीत, भोजन परंपरा और जीवन-शैली को एक साथ प्रस्तुत करती हैं। यह एक तरह से वह अवसर बन जाता है जहाँ इतिहास वर्तमान से संवाद करता है और जहां आधुनिक दुनिया नागालैंड की जड़ों को नजदीक से समझती है। इस महोत्सव का उद्भव 2000 में हुआ था, जब नागालैंड सरकार ने कृषि-आधारित पारंपरिक त्योहारों के विखंडन को देखते हुए उन्हें एक साझा मंच पर लाने का निर्णय लिया। यह प्रयास आज एक वैश्विक आयोजन में बदल चुका है। पर्यटन के दृष्टिकोण से यह कितना महत्त्वपूर्ण है, इसका अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2023 में इस महोत्सव में लगभग 1.5 लाख पर्यटक पहुँचे। यह संख्या उस सांस्कृतिक आकर्षण और जीवंतता को दर्शाती है, जो नागालैंड को

संक्षिप्त खबरें

मिलने नहीं पहुंचा प्रेमी, युवती ने खाई दवा की ओवरडोज; हालत नाजुक

गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रेफर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र में एक युवती ने दवाओं की और ओवरडोज ले ली। इससे उसकी हालत बिगड़ गई। युवती के प्रेमी और घर वालों ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया। हालत नाजुक होने पर डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। कोतवाली क्षेत्र की युवती का सरेनी थाना क्षेत्र के रहने वाले एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। करीब एक साल पहले दोनों इंस्टाग्राम के जरिए एक दूसरे के संपर्क में आए। युवक ने बताया कि युवती उससे मिलने की जिद कर रही थी। उसने आने में असमर्थता जताई तो प्रेमिका फोन के जरिए दवा खाकर जान दे देने की धमकी दे दी। यह सुनकर प्रेमी के हाथ-पाँव फूल गए। प्रेमी ने फौरन इसकी जानकारी युवती की मां को दी और भागकर प्रेमिका से मिलने उसके गांव पहुंचा। लेकिन तब तक युवती ने दवाओं की ओवरडोज खा लिया। इससे उसकी हालत बिगड़ गई। प्रेमी ने युवती के परिवारिजनों की मदद से फौरन से इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया। यहां देर तक उसका इलाज चला। हालत में सुधार नहीं होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल की इमरजेंसी में तैनात डॉ. कुमार विमल ने बताया कि घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गई है।

विहिप का धर्म रक्षा निधि अभियान आज से

लालगंज (रायबरेली)। विश्व हिंदू परिषद का धर्म रक्षा निधि अभियान सोमवार से शुरू होगा। यह जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष अजय पांडेय ने बताया कि अभियान की शुरुआत नगर की सराफा मंडी से की जाएगी। यह अभियान 31 दिसंबर तक चलेगा। श्री पांडेय ने कहा कि संगठन के कार्यकर्ता घर घर और बाजारों में पहुंचकर लोगों को अभियान से जोड़ेंगे। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक लोगों को शामिल कर अभियान को सफल बनाने की अपील की है।

सड़क हादसे में बाइक सवार किशोर की गई जान डीसीएम की टक्कर से हुआ हादसा, वाहन जब्त, चालक फरार

सीतापुर जनपद सीतापुर के लहरपुर में रविवार को एक सड़क हादसे में 15 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। किशोर को एक डीसीएम ट्रक ने टक्कर मार दी थी। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया था जिसे बाद में पुलिस ने पकड़ लिया यह घटना लहरपुर नगर के मोहल्ला ठठेरी टोला अंतर्गत मुख्य मार्ग पर स्थित सीओ आवास के सामने हुई ठठेरी टोला निवासी सोनू वाल्मीकि का 15 वर्षीय पुत्र अंश वाल्मीकि बिना हेलमेट पहने बाइक से सामान लेने जा रहा था, तभी डीसीएम ट्रक ने उसे टक्कर मार दी दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी संख्या में लोग जमा हो गए। परिजनों को जानकारी दी गई, जिसके बाद वे अंश को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डॉक्टरों ने अंश को मृत घोषित कर दिया कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। दुर्घटना के बाद फरार हुई डीसीएम ट्रक को सीतापुर मार्ग पर ग्राम मेहंदी पुरवा के पास पकड़ लिया गया है, हालांकि उसका चालक अभी भी फरार है!!

आजमगढ़ पुलिस संग मुठभेड़ में अंतरजनपदीय गोतस्कर गिरफ्तार, जिला अस्पताल में भर्ती

आजमगढ़। कंधरापुर थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित पशुओं की तस्करी कर रहे अपराधियों और पुलिस के बीच टोल प्लाट सेहदा के पास मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में अंतरजनपदीय गोतस्कर परवेज घायल हो गया। पुलिस ने उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। एसपी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली की गो तस्कर ट्रक से गोवंशीय पशु ट्रक से बिहार ले जाया जा रहा है। सूचना पर कंधरापुर थाना पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से घेराबंदी कर ट्रक की प्रतीक्षा करने लगे। इसी दौरान एक संदिग्ध ट्रक और कार आती हुई दिखाई दी। पुलिस ने ट्रक को रुकने का इशारा किया तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक गोली बदमाश गोतस्कर को लगने से घायल हो गया। गोली लगने के बाद अन्य बदमाश मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बदमाश के पास से पिस्टल, गोली, डस्टर कार, 18 गोवंशीय पशु लदे ट्रक सहित अन्य सामान बरामद किया है।

विद्युत पोल से निकली चिंगारी घर में लगी आग सारा सामान जलाकर खाक, कई कुंतल अनाज और बाइक भस्म

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के अटरिया थाना क्षेत्र के भगौतीपुर गांव में शनिवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक एक घर के बाहर बने छप्पर में आग भड़क उठी आग लगने की यह घटना इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में घर के बाहर रखा काफी सामान जलकर खाक हो गया घटना पीड़ित राहुल के घर के बाहर हुई, जहाँ छप्पर के नीचे उसकी बाइक, कुछ अनाज और अन्य घरेलू सामान रखा हुआ था। ग्रामीणों के मुताबिक आग की शुरुआत पास ही लगे विद्युत पोल से निकली चिंगारी से हुई, जो छप्पर पर गिरते ही तेजी से भड़क उठी देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। राहुल और उनके परिजनों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को इकट्ठा किया गांव के लोगों ने बिना देर किए बाल्टी, पाइप और मिट्टी की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। ग्रामीणों की तत्परता और मेहनत से करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका तब तक छप्पर के नीचे खड़ी राहुल की मोटरसाइकिल पूरी तरह जल चुकी थी। इसके अलावा छप्पर के नीचे रखा गेहूँ, चावल सहित अन्य खाद्यान्न और घरेलू सामान भी राख में बदल गया आग बुझने के काफी देर बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

हालांकि तब तक ग्रामीण आग को नियंत्रित कर चुके थे, लेकिन टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित किया। इस हादसे में किसी के जानमाल की हानि की सूचना नहीं है, लेकिन पीड़ित परिवार को 1 लाख से अधिक रुपये के नुकसान का सामना करना पड़ा है ग्रामीणों ने बिजली विभाग से इलाके के जर्जर तारों और झूलते पोलों को ठीक कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके पीड़ित राहुल ने बताया कि अगर आग की लपटें घर तक पहुंच जातीं, तो बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों के सहयोग से एक बड़ी दुर्घटना टल गई!

खाद लेने जा रहे बुजुर्ग किसान को तेज रफ्तार वाहन ने मारी

टक्कर, गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रेफर

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के रालपुर में रविवार को तेज रफ्तार वाहन ने साइकिल सवार बुजुर्ग किसान को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सरेनी थाना क्षेत्र के रौतापुर गांव निवासी कुलदीप सिंह चौहान (68) पुत्र हमीरदेव सुबह खाद लेने के लिए साइकिल से रालपुर गए थे। जैसे ही वह चौराहे के पास पहुंचे तभी एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वे साइकिल समेत सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने तुरंत उन्हें निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

आम के बाग में युवक का शव मिला, हत्या का आरोप; पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चन्दपुर रायबरेली। थाना क्षेत्र। चन्दपुर थाने के बाकी मजरे डोमापुर में सुबह आम के बाग में एक 40 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया। सूचना पर क्षेत्राधिकारी और पुलिस बल मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।मृतक की पहचान दीपक (40) पुत्र रामकेवल निवासी पूरे तालेवत मजरे ज्योना के रूप में हुई है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि दीपक बीती रात 'पड़ोस के गांव में एक विवाहित कार्यक्रम' में शामिल होने गया था।

कार्यक्रम से लौटते समय अज्ञात लोगों ने उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी और शव को आम के बाग में फेंक दिया।परिजनों एवं ग्रामीणों के अनुसार दीपक शराब का सेवन करता था। लगभग 15 वर्ष पहले उसकी शादी 'सीमा' नामक महिला से हुई थी, जो तीन महीने बाद ही उसे छोड़कर चली गई। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि दीपक का आपराधिक इतिहास भी रहा है–करीब आठ वर्ष पहले उसे अवैध कट्टा बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ महराजगंज थाने में कुछ और मुकदमे भी दर्ज बताए जाते हैं। घटना पर क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि प्रारम्भिक निरीक्षण में मामला दुर्घटना जैसा प्रतीत हो रहा है। मृतक के बाएं पैर व दाहिने हाथ की हड्डी टूटी हुई पाई गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिसंबर माह में मनाया जाएग'टीका उत्सव'

● छूटे हुए बच्चों के टीकाकरण पर रहेगा फोकस

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की विशेष जिम्मेदारी तय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर(ब्यूरो)। जनपद में स्वास्थ्य विभाग एक से 31 दिसंबर तक 'टीका उत्सव' आयोजित करेगा। इस विशेष अभियान का उद्देश्य नियमित टीकाकरण से वंचित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें आवश्यक टीके लगवाना है। टीका उत्सव के दौरान जनजागरूकता बढ़ाने और अभिभावकों को प्रेरित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां की जाएंगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने आमजन से अपील की कि अधिक से अधिक लोग इस अभियान में भाग लें और अपने बच्चों को टीकाकरण कराकर उन्हें गंभीर और जानलेवा बीमारियों से सुरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि आसपास ऐसे बच्चों को पहचानें जो किसी कारणवश टीकाकरण से छूट गए हों और उनके अभिभावकों को प्रेरित करें। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. इमरान अली ने बताया कि टीका उत्सव के दौरान हेपेटाइटिस-बी, पेंटा-1, 2, 3, एमआर-1, एमआर-2, जेई, डीपीटी बूस्टर सहित आवश्यक टीके लगाए जाएंगे। जिन बच्चों का टीका तो लगा है लेकिन पोर्टल पर दर्ज नहीं हुआ है, उनकी जानकारी आशा कार्यकर्ता द्वारा लेकर 'यू-विन' पोर्टल पर अपडेट की जाएगी। अभियान के तहत सभी आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में छूटे हुए बच्चों की विशेष सूची तैयार करेंगी। सत्र से एक दिन पहले बुलावा पर्ची भेजकर बच्चों को टीकाकरण सत्र स्थल पर लाया जाएगा। इसके साथ ही महिला आरोग्य समिति की बैठकें भी आयोजित होंगी, जिनमें माताओं और अभिभावकों को पूर्ण टीकाकरण के लाभ बताए जाएंगे और उन्हें अपने बच्चों का टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। टीका उत्सव के जरिए स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि जिले का टीकाकरण कवरेज बढ़े और कोई भी बच्चा प्रतिरक्षण से वंचित न रह जाए।

240 शीशी नेपाली शराब के साथ दो महिलाएं व ई-रिक्शा चालक गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। एसएसबी व पुलिस की संयुक्त टीम ने नेपाल से ई रिक्शा मे रखकर 240 शीशी नेपाली शराब रखकर चोरी छिपे भारत में प्रवेश करते समय सीमा पर दो महिला सहित चालक को गिरफ्तार कर लिया। शराब व महिला तथा चालक के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए शोहरतगढ़ पुलिस को सौंप दिया गया। रविवार की खुनुवा चौकी क्षेत्र के सीमावर्ती गांव परसौना के पास पिलर संख्या 556/1के पास गस्त कर रही पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने नेपाल से 240 शीशी नेपाली शराब को ई-रिक्शा में रखकर भारत ला रही दो महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार तस्कर महिला शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र नगर पंचायत नीबी दोहनी निवासी संगीता पत्नी वीरेंद्र निषाद व गड़ाकुल निवासी सरिता पत्नी महेंद्र गौड़ व नगर पंचायत वार्ड नं -9 निवासी चालक मुबारक अली रहने वाले हैं। गिरफ्तारी करने वाले टीम में खुनुवा चौकी प्रभारी वीरेंद्र पासवान, उनि एस एसबी त्रिलोचन महिला कांस्टेबल नम्रता साहू, गायत्री सिंह आदि शामिल रहे।

भगवान सिर्फ भाव के भूंखे- कथाव्यास शुभम मिश्र

● कोरौन्ध में आयोजित रामकथा के छठे दिन श्रोताओं ने कथा का किया रसपान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भरावन (हरदोई)। भरावन के कोरौन्ध में ग्रामवासियों द्वारा आयोजित श्रीराम कथा के छठे दिन कथाव्यास पंडित शुभम मिश्र ने राम के राज्याभिषेक व वनगमन का सुंदर प्रसंग सुनाया। कथा में सुंदर भजन सुनकर श्रोतागण झूम उठे। कथा सुनाते हुए कथाव्यास पंडित शुभम मिश्र ने कहा कि दशरथ चक्रवर्ती राजा थे। मनुष्य,यक्ष, गंधर्व, देवता सभी उनका आदर करते थे। राजा दशरथ वृद्धावस्था के कारण अपने सबसे बड़े और योग्य पुत्र राम का राज्याभिषेक करने का निर्णय लेते हैं। पूरी अयोध्या नगरी में उत्सव का माहौल होता है और सभी लोग इस समाचार से अत्यंत प्रसन्न होते हैं। दशरथ ने सभा में राम को राजा बनाने का प्रस्ताव रखा। सभी ने राम को राजा बनाने का समर्थन किया तो दशरथ ने कहा कल ढोल नगाड़ों के साथ राम का राज्याभिषेक किया जाएगा। कथा व्यास कहते हैं कि आप प्रभु को जो श्रद्धा हो मन से समर्पित करिए, इसके लिए दिखावे की जरूरत नही होती। प्रभु सिर्फ भाव के भूंखे हैं। लेकिन दशरथ ने प्रभु को गाजे बाजे के साथ राजपाट सौंपने की बात कही। इसीलिए प्रभु ने इसे स्वीकार नही किया।

इसके बाद राजा ने राजदूत भेजकर गुरु वशिष्ठ को महल में बुलवाया। कथाव्यास ने कहा कि यहीं पर राजा दशरथ से चूक हो गई। एक बार भूपति मन माहीं, भए गलानि मोरे सुत नाही। गुरु गृह गए तुरत महिपाला, चरन लागि करि बिनय विशाला। जब पुत्र न होने पर दशरथ दुखी थे तो वह गुरु वशिष्ठ के घर स्वयं चलकर गुरु के घर गए थे। लेकिन खुशी का मौका आया तो उन्होंने गुरु को महल में बुलवाया। कथाव्यास ने कहा कि राम के राज्याभिषेक को लेकर अति उत्साहित दशरथ ने चूक कर दी। गुरु का अनादर देख प्रभु ने राज्य स्वीकार नही किया। राम अयोध्या छोड़कर 14 वर्ष के लिए वन चले गए। उन्होंने कहा कि गुरु का जहां पर अनादर होता है प्रभु वहां कभी निवास नही करते। कथा में दूर दराज से आए श्रोतागण व ग्रामवासी मौजूद रहे।

रेउसा में फर्जी हॉस्पिटल ने ली महिला की जान

● विधायक आवास के बगल में चल रहे 'फर्जी' अस्पताल में हुई जच्चा की मौत

परिजनों ने किया हंगामा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रेउसा संवाददाता। जिले के रेउसा कस्बे में एक बार फिर तथाकथित 'झोलाछाप' डॉक्टरों के कहर के चलते एक नवजात शिशु की मां की जान चली गई है। सेवता विधायक ज्ञान तिवारी के आवास के ठीक बगल में संचालित बालाजी जच्चा-बच्चा केंद्र व हॉस्पिटल में प्रसव के दौरान एक महिला की मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया और अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

प्रसव के दौरान हुई घटना

ग्राम श्रेया निवासी गायत्री (पत्नी गया प्रसाद) को प्रसव पीड़ा के चलते परिजनों द्वारा रेउसा कस्बे के इस निजी अस्पताल में लाया गया था। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में मौजूद तथाकथित झोलाछाप डॉक्टरों की लापरवाही के कारण गायत्री की मौके पर ही मौत हो गई।

जैसे ही महिला की मौत की खबर मिली, परिजनों का गुस्सा भड़क उठा। उन्होंने अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। बताया गया कि हंगामे के दौरान अस्पताल के कार्यकर्ता और डॉक्टर मौके से फरार हो गए। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए मृतका के शव को अपने घर ले आए।

अधीक्षक पर लापरवाही का आरोप

यह अस्पताल विधायक आवास के पास फर्जी तरीके से संचालित किया जा रहा था, जिसका परिणाम आज गरीब जनता को भुगतना पड़ा है। सूचना मिलने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) के कुछ डॉक्टर और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को शांत करने की कोशिश की। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेउसा के अधीक्षक अनंत मिश्रा को भी फोन पर सूचना दी गई। हालांकि, खबर लिखे जाने तक अधीक्षक मिश्रा मौके पर नहीं पहुंचे, जिसपर परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं।

स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर सवाल

स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर गहरी चर्चा है कि फर्जी तरीके से संचालित हो रहे इन निजी अस्पतालों पर प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की जाती। उनका कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण झोलाछाप डॉक्टरों का कहर थम नहीं रहा है, और ऐसे हॉस्पिटलों पर कार्रवाई तभी होती है जब कोई बड़ी दुर्घटना या मौत हो जाती है। परिजनों ने मामले में न्याय की गुहार लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

लखनऊ में डेढ़ करोड़ की हेरोइन ज़ब्त तस्कर गिरफ्तार

● लखनऊ में मादक पदार्थ नियंत्रण दल की बड़ी कार्यवाही अवैध तंत्र ध्वस्त

शहीद पथ से1.5 करोड़ की हेरोइन समेत 3 तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मादक पदार्थ नियंत्रण दल ने मादक द्रव्यों के विरुद्ध एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। मादक पदार्थ नियंत्रण दल और विभूतिखंड थाना बल के संयुक्त दल ने शहीद पथ के समीप जाँच के दौरान लगभग ?1.5 करोड़ मूल्य की उच्च गुणवत्ता वाली हेरोइन जब्त की है।

इस कार्यवाही में तीन सक्रिय मादक पदार्थ तस्करों को भी मौके से पकड़ा गया। ये तस्कर बाराबंकी से हेरोइन लाकर लखनऊ में वितरण की तैयारी में थे।

कैसे पकड़े गए अपराधी?

गुप्त सूचना के आधार पर आरक्षी दल ने तत्काल घेराबंदी की। संदिग्ध वाहन (अर्टिगा गाड़ी) को रोकने के बाद उसकी तलाशी ली गई। वाहन के भीतर से लगभग 550 ग्राम हेरोइन बरामद की गई।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान बाराबंकी निवासी अनस और नासिर अली और लखनऊ निवासी मोहम्मद अर्सलान के रूप में हुई है।

दूरभाष और नकदी बरामद

तस्करों के कब्जे से हेरोइन के अतिरिक्त, वितरण में उपयोग किया गया वाहन, चार दूरभाष, और 8,900 रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं। मादक पदार्थ नियंत्रण दल के अधिकारियों ने बताया कि जब्त दूरभाषों में तंत्र के अन्य सदस्यों से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश और संपर्क संख्याएँ मिली हैं, जिनकी जाँच की जा रही है। आरक्षी दल का लक्ष्य इस पूरे अवैध तंत्र का पर्दाफाश करना है।अधिकारियों ने आगे कहा कि इस सफलता से अवैध मादक पदार्थों की आपूर्ति की एक महत्वपूर्ण कड़ी टूटी है, और मादक पदार्थ नियंत्रण दल का अभियान जारी रहेगा।

सोलर पंप से करें सिंचाई, पाएं 60% तक अनुदान; योजना के बारे में पूरी डिटेल

आजमगढ़। प्रधानमंत्री किसान उर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम योजना) के तहत फसल की सिंचाई के लिए सोलर पंप की आनलाइन बुकिंग करा सकते हैं। बुकिंग के बाद किसानों का चयन ई-लाटरी से किया जाएगा। सोलर पंपों पर सरकार 60 प्रतिशत अनुदान देगी। जिससे किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन मिल सके। इसके लिए सरकार किसानों के लिए कई योजनाएं चला रही है। इसमें एक पीएम कुसुम योजना भी है। उप कृषि निदेशक आशीष कुमार ने बताया कि योजना के तहत किसानों को दो से लेकर 10 एचपी (हार्सपावर) के सोलर पंप 60 प्रतिशत अनुदान पर दिए जाते हैं। पोर्टल पर 384 सोलर पंप हैं। आनलाइन बुकिंग के लिए पोर्टल 26 नवंबर से ही शुरू हो गया है। किसान आवश्यकतानुसार आगामी 15 दिसंबर तक बुकिंग करा सकते हैं। योजना का लाभ वही किसान ले सकेंगे, जिनका विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण होगा। https:agriculture.up.gov.in पर क्लिक कर सोलर पंपों की आनलाइन बुकिंग की जाएगी। इसके बाद किसानों का चयन ई-लाटरी के माध्यम से किया जाएगा। सोलर पंप के आनलाइन बुकिंग के साथ किसानों को टोकन मनी के रूप में पांच हजार रुपये जमा करने होंगे।

आजमगढ़ में गोवंश लदे ट्रक को पुलिस ने पकड़ा, बिहार ले जाने की थी तैयारी

आजमगढ़। पवई थाना की पुलिस ने रामपुर खुर्द गांव के पास रविवार की सुबह गोवंश लदे एक ट्रक को जब्त किया है। अंधेरे का लाभ उठा कर चालक भागने में कामयाब रहा। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि? एक ट्रक में गोवंश लाद कर सुल्तानपुर के रास्ते बिहार ले जाया जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस टीम घेराबंदी कर ट्रक की प्रतीक्षा करने लगे।

कुछ देर बाद उक्त संदिग्ध ट्रक सामने से आते हुए दिखाई पड़ा। पुलिस को देखते ही चालक ने ट्रक की गति बढ़ाते हुए कलान मार्ग की तरफ भागने लगा। पुलिस टीम ट्रक का पीछा करने लगी। रामपुर खुर्द गांव के पास ही चालक ट्रक को चालू हालत में छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ट्रक को जब्त कर थाने ले आई, ट्रक में 18 गोवंश लदे हुए थे। गोवंश को की जांच कर खानजहांपुर स्थित गो आश्रय भेजवा दिया गया।

रेलवे फाटक पर अज्ञात वाहन ने मारी जोरदार टक्कर, लगभग 45 मिनट तक यातायात बाधित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। रविवार दोपहर माल रोड स्थित रेलवे फाटक पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मारकर फाटक के बूम को तोड़ दिया। इस हादसे के कारण करीब आधे घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और क्षेत्र में जाम की स्थिति पैदा हो गई।स्थानीय निवासियों ने बताया कि टक्कर मारने के तुरंत बाद वाहन चालक अपना वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के बाद मलिहाबाद से माल और माल से लखनऊ की ओर जाने वाले बाइक, कार, ट्रैक्टर और छोटे मालवाहक सहित सभी प्रकार के वाहन घंटों तक जाम में फंसे रहे।

पुलिस ने वैकल्पिक रास्तों से आवागमन शुरू घटना की सूचना मिलते पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए वैकल्पिक रास्तों के माध्यम से यातायात को सुचारू रूप से संचालित करवाया। आवागमन बाधित होने के कारण लोगों को महमूदनगर, मुजासा और आसपास की लिंक रोडों का उपयोग कर अपने गंतव्य की ओर निकलना पड़ा।फरार वाहन चालक की तलाश जारी रेलवे पुलिस अब टक्कर मारने वाले फरार वाहन चालक की तलाश में जुट गई है। इस संबंध में आरपीएफ इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान और तलाश की जा रही है जिसके बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बेरहमी से पीटा, पटका फिर ऊपर खड़ी हो गई... हैदराबाद में नर्सरी की छात्रा से आया ने की बर्बरता

● हैदराबाद के कुतुबुल्लापुर स्थित पूर्णिमा स्कूल में एक नर्सरी छात्रा की बाई द्वारा बेरहमी से पिटाई का वीडियो सामने आया है. इस अमानवीय घटना से बच्ची गहरे सदमे में है और उसे तेज बुखार है. वीडियो वायरल होने के बाद अभिभावकों ने जीडीमेटला पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हैदराबाद शहर के कुतुबुल्लापुर क्षेत्र में एक स्कूल में नर्सरी की छात्रा को अमानवीय तरीके से पिटाई करने का वीडियो सामने आया है. जीडीमेटला पुलिस स्टेशन इलाके में शाहपुर नगर स्थित पूर्णिमा स्कूल में नर्सरी में पड़ रही एक छात्रा की स्कूल में काम करने वाली बाई ने बेरहमी से पिटाई की. पड़ोस में रहने वाले एक लड़के ने यह पूरा दृश्य अपने फोन में कैद कर लिया।

मामला जिले के कुतुबुल्लापुर क्षेत्र के जीडीमेटला पुलिस स्टेशन इलाके का है. नर्सरी की एक छात्रा को स्कूल में काम करने वाली महिला बेरहमी से पीटती दिखाई दे रही है. वहीं इस घटना का वीडियो भी सामने आया है जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो को छात्रा के पड़ोस में रहने वाले और उसी स्कूर में पढ़ने वाले एक छात्र ने अपने मोबाइल के कैमरे में कैद कर लिया था. वायरल वीडियो को देखकर लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई है. साथ ही आरोपी महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में गुस्सा

स्कूल में बेरहमी से पिटाई के बाद छात्रा गहरे सदमे है. पीड़ित बच्ची कल शाम से कुछ नहीं खा रही है. माना जा रहा है कि शायद उसे अंदरूनी चोटें आई है या दिमागी असर हो सकता है. इसके साथ ही उसे तेज बुखार है. तेज बुखार के साथ राम हॉस्पिटल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने कहा कि बच्चे पर हुए बेरहमी से हमले के बाद वो डरी हुई है. लोगों को कहना है कि इस तरह की घटनाएं बच्चों की मानसिक स्थित पर असर डालती हैं. इसके अलावा इस तरह की घटनाएं अभिभावकों के लिए भी चिंताजनक हैं।

परिजनों ने दर्ज कराई शिकायत

बच्चे के माता-पिता ने वीडियो के आधार पर जीडीमेटला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और आरोपी महिला के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. जीडीमेटला पुलिस शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है. पुलिस का कहना है कि जांच के आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

बाइकें आमने-सामने टकराईं, दो की मौत

हमीरपुर– रविवार को दोपहर लगभग 1:30 बजे राठ क्षेत्र के ग्राम नंदना के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें दोनों बाइकों में सवार एक-एक युवक की मौत हो गई।एक मोटरसाइकिल में सवार राजू पुत्र परमलाल उम्र करीब 28 वर्ष निवासी गलौली थाना जलालपुर हमीरपुर ,हरपाल सिंह पुत्र पूरनलाल कुशवाहा उम्र करीब 42 वर्ष निवासी ग्राम ममना थाना जलालपुर और बलराम पुत्र पूरनलाल कुशवाहा उम्र करीब 23 वर्ष निवासी ग्राम पिपरा थाना नौगांव मध्य प्रदेश सवार थे , वहीं दूसरी मोटरसाइकिल स्प्लेंडर में धीरेंद्र पुत्र अर्जुन सिंह उम्र करीब 33 वर्ष निवासी ग्राम अमूंद थाना जरिया ,किरण देवी पत्नी राम सिंह उम्र करीब 45 वर्ष निवासी ग्राम अमूंद थाना जरिया सवार थे।दुर्घटना की सूचना पर थाना राठ पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी राठ भेजा गया, जहाँ प्रथम पक्ष के राजू पुत्र परमलाल तथा दूसरी बाइक में सवार धीरेंद्र पुत्र अर्जुन सिंह को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने बताया कि शेष घायलों का इलाज सीएचसी राठ में चल रहा है। प्राप्त फौती सूचना के आधार पर शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। परिजन मौके पर मौजूद है यातायात सामान्य रुप से संचालित है अन्य आवश्यक वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।

इंग्लैंड में भारतीय छात्र की चाकू गोदकर हत्या, हरियाणा का था युवक; शव लाने की मांग तेज

नई दिल्ली। इंग्लैंड के वॉर्सेस्टर शहर में एक 30 साल के भारतीय छात्र की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। हमला मंगलवार सुबह हुआ और गंभीर हालत में युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृतक युवक की पहचान हरियाणा के चरखी दादरी जिले के विजय कुमार शेओरण के रूप में हुई है, हालांकि ब्रिटिश पुलिस ने आधिकारिक पहचान अभी नहीं की है।

हमला कैसे हुआ

वेस्ट मर्सिया पुलिस के अनुसार, 25 नवंबर सुबह करीब 4:15 बजे उन्हें वॉर्सेस्टर की बारबॉर्न रोड पर एक युवक गंभीर चोटों के साथ मिला। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसी दिन उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में छह लोगों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया था। इनमें से पांच आरोपी अब बेल पर हैं, जबकि छठे व्यक्ति को पुलिस ने बिना किसी आगे की कार्रवाई के रिहा कर दिया है।

पुलिस की अपील

जांच अधिकारी डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर ली होलहाउस ने कहा कि उनकी टीम लगातार यह जानने की कोशिश कर रही है कि मंगलवार सुबह आखिर क्या हुआ जिसकी वजह से एक युवक की जान चली गई। उन्होंने बताया कि पुलिस की टीमें पूरे सप्ताहांत बारबॉर्न रोड पर मौजूद रहेंगी, ताकि सबूत जुटाए जा सकें। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे घबराएं नहीं और यदि किसी के पास कोई भी जानकारी होचाहे वह कितनी ही छोटी क्यों न लगेउसे पुलिस को जरूर दें।

परिवार के लिए मदद की मांग

हरियाणा के चरखी दादरी के विधायक सुनील सतपाल सांगवान ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह परिवार के लिए असहनीय दुख का समय है और भारत सरकार को तुरंत हस्तक्षेप कर विजय के शव को जल्द से जल्द भारत लाने की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने साथ ही निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग की ताकि दोषियों को सख्त सजा मिल सके।

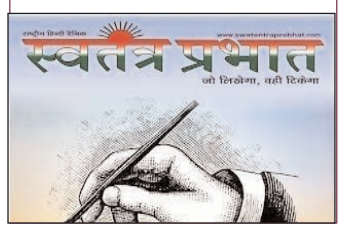

नामामिगंगे का ठेकेदार भूल गया सड़क बनवाना, दलदल में तब्दील सड़क पर रोज गिरते हैं बूढ़े और बच्चे

● अन्य तीन गांवों के लोग भी प्रभावित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

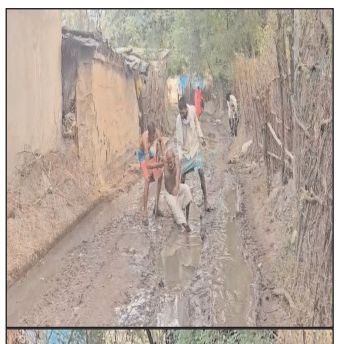

हमीरपुर– मुस्करा विकासखण्ड क्षेत्र के करगांव गांव के लोग उखड़ी पड़ी और दलदल से भरी सड़क के कारण नारकीय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। बताते चलें कि लगभग आठ हजार आबादी वाले करगांव, गांव के अंदर जाने वाली मुख्य सड़क पर लगभग डेढ़ फुट तक कीचड़ भरा हुआ है।लोगों ने बताया कि नामामिगंगे प्रोजेक्ट के तहत गांव में पाइपलाइन बिछाई गई थी, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी ठेकेदार लोकेंद्र सिंह ने सड़क नहीं बनवाई है।बताया कि बरसात के मौसम से पहले पाइपलाइन डालने का काम पूरा हो चुका था, ठेकेदार अगर चाहता तो बरसात से पहले ही सड़क बनवा सकता था, लेकिन बार-बार कहने के बाद भी ठेकेदार ने सड़क नहीं बनवाई ,जिसकी वजह से पूरी बरसात और आज भी गांव की सड़क में दलदल भरा हुआ है।गांव की मुख्य सड़क होने की वजह से ज्यादातर आबादी का निकलना चलना इसी रास्ता से होता है।गांव के वृद्ध छत्रपाल ने बताया कि इस रास्ता से कोई साधन निकलना तो दूर की बात है, लोग पैदल तक नहीं निकल पाते। कल्लू और काशी कुशवाहा ने बताया कि स्कूल जाने वाले बच्चे अक्सर उस दलदल में गिर जाते हैं।खेतों की जुताई को जाने वाले ट्रैक्टर तक अक्सर इस रास्ता में भरे दलदल में फंस जाते हैं।

ग्रामप्रधान बालेन्द्र ने बताया कि करगांव की लगभग आधी आबादी इससे प्रभावित है, इसके अलावा इस सड़क से भुगैचा, दोहरी और मुटनी के लोग भी प्रभावित हैं, इन्हें भी इसी रास्ता से निकलना होता है।

चालीस साल पुरानी परंपरा भी टूटी

करगांव निवासी दुर्गाप्रसाद, शुभाष कुशवाहा और बच्चालाल आदि ने बताया कि गांव में रोजाना सुबह रामधुन संकीर्तन निकालने की परंपरा बीते चालीस सालों से चली आ रही है, लेकिन मुख्य मार्ग में भरे इस दलदल की वजह से यह परंपरा भी टूट गई है। लोगों में ठेकेदार की इस लापरवाही से बेहद आक्रोश है और जल्द से जल्द सड़क बनवाने की मांग की है।

सिसोलर पुलिस ने 590 ग्राम अवैध गांजा के साथ आरोपी पकड़ा

हमीरपुर– जनपद के सिसोलर थाना पुलिस ने सिसोलर मौदहा मार्ग से अभियुक्त जंगबहादुर पुत्र स्व0 रामस्वरूप उर्फ टीलू को 590 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी पर 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी का काफी लंबाचौड़ा आपराधिक इतिहास है , बताया आरोपी

1-मु0अ0सं0 58/2004 धारा 393/302 आईपीसी।

2-मु0अ0सं0 159/10 धारा 323/504/506 आईपीसी व 3(1)(10) एससी /एसटी एक्ट

3- मु0अ0सं0 125/13 धारा 308/504/325/323/506 भा0दं0सं0

4-मु0अ0सं0 173/22 धारा 504/506 आईपीसी

5- मु0अ0सं0 32/25 धारा 115(2)/352/351(3) बी0एन0एस0 के मुकदमें पूर्व में ही दर्ज हैं।

हाइलाकांदी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा पार्टी के टिकट की दौड़ में समाजसेवी आशु ग्वाला

● गुवाहाटी में वाजपेई भवन में भारतीय जनता पार्टी के असम प्रदेश के अध्यक्ष दिलीप सैकिया के साथ साक्षात्कार किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः आगामी 26वें विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए हाइलाकांदी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा पार्टी के उम्मीदवारों के लिए टिकट की दौड़ तेजी से बढ़ रही है। इस दौड़ में समाजसेवी आशु ग्वाला वर्तमान में सबसे अधिक चर्चित नाम हैं। संभावित उम्मीदवार के रूप में वह स्वयं को प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी क्रम में आज 28 नवंबर (शुक्रवार) गुवाहाटी में बाजपेई भवन में असम प्रदेश के सभापति दिलीप सैकिया के साथ साक्षात्कार किया। समाजसेवी आशु ग्वाला ने हाइलाकांदी में बीजेपी के टिकट के लिए अपनी दावेदारी पेश की। समाजसेवी आशु ग्वाला ने मीडिया को बताया कि उन्होंने वाजपेई भवन में लोकप्रिय दिलीप सैकिया के साथ बातचीत की और उन्हें बताया कि उन्होंने बीजेपी के टिकट के लिए अपनी दावेदारी रखी है।

इसके बाद इस विषय पर बातचीत करते हुए, भारतीय जनता पार्टी के असम प्रदेश के सभापति दिलीप सैकिया ने कहा कि नियमित रूप से मैदान में जाकर काम करें और स्थानीय लोगों से बात करें, उनकी समस्याओं को सुनें और समाधान करने का प्रयास जारी रखें। उन्होंने सामान्य जनता के साथ विचार-विमर्श करने और जनकल्याण के लिए काम करने का लक्ष्य रखने की सलाह दी और कहा कि समय आने पर इस विषय पर ध्यान दिया जाएगा और आश्वासन दिया जाएगा। आशु ग्वाला ने प्रदेश के सभापति से कहा कि समाज के लोग ही मेरी ताकत हैं। वे मुझे पसंद करते हैं, उसी विश्वास के साथ मैं लोगों के साथ रहना चाहता हूँ। अगर पार्टी मुझे जिम्मेदारी देती है तो मैं उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाऊँगा। विकास, पारदर्शिता और लोगों की समस्याओं का सही समाधान ही मेरा मुख्य लक्ष्य होगा।

स्वामी ब्रह्मानंद जी के 131वें जन्मोत्सव पर आयोजित विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 1000 मरीजों की हुई जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर– आगामी 4 दिसंबर को स्वामी ब्रह्मानंद जी महाराज के 131वें जन्मोत्सव समारोह के पूर्व लोधी छात्रावास में स्वामी ब्रह्मानंद जी महाराज की मूर्ति का अनावरण किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। तत्पश्चात ब्रह्मानंद इंटर कॉलेज में लक्ष्य परिवार द्वारा विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 40 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम मौजूद रही। जिन्होंने विभिन्न रोगों की जांच कर मरीजों को निःशुल्क दवाएं वितरित कीं। शिविर में कस्बा सहित झांसी, उरई, महोबा, कानपुर से आए चिकित्सको में जनरल मेडिसिन, हड्डी रोग, बाल रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, दंत चिकित्सा, कैंसर, आयुर्वेदिक, लेप्रोस्कोपिक सर्जन, यूरो सर्जन, नाक, कान, गला रोग, बवासीर भगंदर, होम्योपैथिक तथा फिजियोथेरेपी सहित कई विभागों के डॉक्टरों ने सेवाएं दीं। मेडिकल स्टाफ एवं नर्सिंग टीम द्वारा मरीजों की लगातार जांच की जाती रही। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 1000 से अधिक मरीजों ने पंजीकरण कराया और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। साथ ही रक्तदान शिविर में 40 लोगो ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रबंधक, प्राचार्य, लक्ष्य परिवार के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी सहयोग दिया।

स्वामी ब्रह्मानंद जी के अनुयायियों ने बताया कि समाज के कमजोर वर्ग तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इसके साथ ही साथ लक्ष्य परिवार द्वारा कॉलेज में नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में 180 छात्रों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज की। परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही छात्रों और अभिभावकों की उपस्थिति दिखाई दी। शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा संपन्न हुई। शिक्षकों एवं परीक्षा टीम ने सभी व्यवस्थाओं का संचालन सफलतापूर्वक किया।

अलीगढ़ में नगर निगम के ठेकेदार की पिटाईः वीडियो बनाकर बोले- 20 हजार रुपये दो तो डिलीट कर देंगे

अलीगढ़। बाइक सवार लड़कों ने एक ठेकेदार को घेरकर खूब पीटा। पिटाई के दौरान एक युवक ने वीडियो बना लिया और फिर जाते वक्त बोले कि 20 हजार रुपये दोगे तो ये वीडियो डिलीट कर देंगे नहीं तो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया जाएगा। पीड़ित ने थाने जाकर एक नामजद समेत आरोपितों के खिलाफ तहरीर दी है।

बाइक सवार ने हैंडल पर हाथ मारा और करने लगा पिटाई

क्वार्सी क्षेत्र के सुरेंद्र नगर राजेंद्र कॉलोनी निवासी आकाश ने बताया कि वह नगर निगम में रजिस्टर्ड ठेकेदार है। तीन दिसंबर को चाचा की बेटी की रिंग सेरेमनी कार्यक्रम है। इसलिए सासनीगेट चौराहे के पास गौरी गार्डन लाज में एडवांस देने गया था। लौटते वक्त आगरा रोड पर एक बाइक सवार ने उनकी बाइक के हैंडल पर हाथ मारा। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाते, अलग-अलग बाइक व स्कूटी पर आए करीब एक दर्जन लोगों ने उसे घेर लिया। उसके साथ मारपीट की। लात-घूंसे व स्टील की रॉड मारी। उन्हीं में से एक युवक मारपीट का पूरा वीडियो बना रहा था।

माघ मेला 2026 के लिए पर्यटन विभाग ने कसी कमर, पर्यटकों के लिए पहली बार स्थापित होंगे 4 अस्थाई सूचना केंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। वर्ष 2025 में योगी सरकार के प्रयास से संगम नगरी प्रयागराज में आयोजित दिव्य , भव्य और स्वच्छ कुंभ के सफल आयोजन को पूरी दुनिया ने सराहा। यूनेस्को द्वारा इसे 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। आयोजन की भव्य सफलता के बाद अब संगम नगरी महाकुंभ के बात माघ मेला 2026 का इंतजार कर रही है। 3 जनवरी 2026 में आयोजित होने जा रहे आस्था के इस महा समागम में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के अनुमान को देखते हुए पर्यटन विभाग भी अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

पहली बार माघ मेले में 04 अस्थाई पर्यटन सूचना केंद्र की स्थापना

महाकुंभ 2025 के दिव्य और भव्य आयोजन के बाद प्रयागराज को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली है। पर्यटकों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी इसका संकेत दे रही है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी अपराजिता सिंह का कहना है कि वर्ष 2020 में प्रयागराज में पर्यटकों की संख्या 31933758 थी, जो 2021 में 11213496, वर्ष 2022 में 26047166, वर्ष 2023 में 50671622, वर्ष 2024 में 5,12,6,2806 और 2025 जनवरी से सितंबर तक 68,21,50806 तक पहुंच गई। संगम नगरी में पर्यटकों की आई इस सूनामी से पर्यटन विभाग उत्साहित है। इस बार 3 जनवरी 2026 से शुरू होकर 44 दिन तक होने जा रहे माघ मेले में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम नगरी पहुंचने का अनुमान है। इसे देखते हुए माघ मेले में 04 अस्थाई सूचना पर्यटन केंद्र बनाए जा रहे हैं।

पर्यटन सूचना केंद्रों में मिलेंगी ये सुविधाएं

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की तरफ से स्थापित जा रहे इन पर्यटन सूचना केंद्रों में प्रयागराज के सभी प्रमुख पर्यटक स्थलों की जानकारी की पुस्तिका हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध होगी। डिजिटल फॉर्मेट में भी इसे उपलब्ध कराया जायेगा। सूचना केंद्र में एक गाइड बुक भी होगी । पर्यटकों को टूरिज्म की जानकारी देने के लिए यहां पर एक प्रशिक्षित गाइड की सूची भी उपलब्ध रहेगी। पर्यटकों के ठहरने की जानकारी देने के लिए यहां पर रजिस्टर्ड पेइंग गेस्ट हाउस की जानकारी भी उपलब्ध रहेगी।

रविवार को तपोभूमि मेले में उमड़ी भीड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर– सुमेरपुर में रविवार को श्री गायत्री महायज्ञ 68वीं वर्षगांठ पर आयोजित मेले में रविवार को कस्बा वासियों की जमकर भीड़ उमड़ी। वहीं यज्ञवेदी में सातवें दिन 65 कर्मकांडी ब्राह्मण 24 लाख श्री गायत्री मंत्र का जाप करके सुख शांति कामना कर रहे हैं। मेले में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं।

श्री गायत्री महायज्ञ की वर्षगांठ में रविवार को तपोभूमि में लगे मेले में कस्बावासियों की भारी भीड़ उमड़ी। महिलाओं बच्चों ने झूले चर्खी का जमकर लुफ्त उठाया और घर गृहस्थी के सामानों की खरीदारी की। वही यज्ञवेदी में यज्ञाचार्य माधवानारायण शास्त्री एवं यज्ञ के ब्रह्मा बलदेव प्रसाद शास्त्री के नेतृत्व में 65 कर्मकांडी ब्राह्मण 24 लाख गायत्री महामंत्र का जाप करके क्षेत्र की सुख शांति की कामना कर रहे हैं। इस वर्ष मेले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। हाईवे से लेकर तपोभूमि के कोने कोने में तीन दर्जन पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

भीषण सर्दी को देखते हुये सन्तों को ओढ़ाए गये कंबल

भीषण सर्दी के दृष्टिगत सुमेरपुर में चल रहे श्री गायत्री महायज्ञ में आए सन्तों को भाजपा नेता अमित कुमार सोनू ने कंबल ओढ़ाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि महायज्ञ में दूर-दूर से सैकड़ों विरक्त संत हर साल आते हैं। न्यूनतम जरूरतों के साथ जीवन जीने वाले ये संत धूनी रमाकर जप एवं साधना में लगे हैं। खुले आसमान के नीचे ही रात गुजारने वाले इन्हीं संतों को कंबल ओढ़ाए गए है। इस दौरान उमेश शिवहरे, कृष्णकुमार गुप्ता,रावेन्द्र शिवहरे, रिज़वान हाशमी, प्रिंस यादव, विकास गुप्ता, लक्ष्य गुप्ता, कबीर कुमार, मिरय कुमार मौजूद रहे।

सेवानिवृत्ति पर हुआ गरिमामयी विदाई समारोह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर– रविवार के दिन पुलिस लाइन हमीरपुर में एक गरिमामय सेवानिवृत्ति/विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अधिवर्षता आयु पूर्ण करने वाले पुलिस अधिकारी/कर्मचारी को सम्मानित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक हमीरपुर ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों/कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्य, निष्ठा एवं सेवाभाव की सराहना करते हुए कहा कि इनका योगदान पुलिस विभाग के मनोबल को बढ़ाने में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

इस अवसर पर उ0नि0 निरंजन लाल, मुख्य आरक्षी शस्त्र पुलिस जगदीश कुमार, एवं ओ0पी0 (चतुर्थ श्रेणी) राजेश कुमार दीक्षित को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उनकी कार्यकुशलता, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता पूरे विभाग में प्रशंसनीय रही है। अपने सेवाकाल में उन्होंने विभागीय दायित्वों का निर्वहन पूर्ण समर्पण, ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ किया।

अपर पुलिस अधीक्षक हमीरपुर ने अपने संबोधन में कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी/कर्मचारी न केवल विभाग, बल्कि समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाते रहे हैं, जो सभी के लिए प्रेरणादायक है। समारोह के अंत में सभी सेवानिवृत्तजनों को स्वस्थ जीवन एवं सुखद सेवानिवृत्ति के लिए शुभकामनाएँ दी गईं। पुलिस लाइन हमीरपुर के प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे तथा सभी ने मिलकर सेवानिवृत्त कार्मिकों को भावभीनी विदाई दी और उनकी सेवाओं को सलाम किया।

शराब ठेके पर दबंगईः स्क्वनीरज जादौन की कार्रवाई, हरदुआगंज इंस्पेक्टर निलंबित

अलीगढ़। युवक का कंकाल मिलने की घटना में कई दिन बीतने के बाद भी पर्दाफाश न हो पाने से रडार पर चल रहे हरदुआगंज इंस्पेक्टर पर दूसरी गलती भारी पड़ गई। एक हिस्ट्रीशीटर द्वारा शराब के ठेके पर दबंगई दिखाई। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया। यह देख एसएसपी नीरज कुमार जादौन ने इंस्पेक्टर की लापरवाही और सक्रियता में कमी पाते हुए निलंबित कर दिया।

झाड़ियों में मिला था कंकाल

हरदुआगंज में बीती तीन नवंबर को नगरिया भूड़ निवासी दिनेश कुमार उर्फ अबनू का झाड़ियों में कंकाल मिला था। कपड़ों और घिसे दांत देखकर स्वजन ने शिनाख्त की थी। इस मामले में दो दारोगा लापरवाही और गलत व्यवहार के चलते निलंबित कर दिए गए थे। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार को भी चेतावनी दी थी। उसके बाद तीन सप्ताह बीतने के बाद भी अब तक पर्दाफाश न होने से उनपर कार्रवाई तय मानी जा रही थी। मगर, इससे पहले ही उनपर कार्रवाई हो गई।

निलंबन की वजह ये भी रही

निलंबन की वजह अलहदादपुर निवासी हिस्ट्रीशीटर सौरभ ठाकुर रहे। बीते गुरुवार को एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा था, जिसमें वह एक शराब के ठेके पर पिस्टल लहराते हुए दबंगई दिखाता नजर आ रहा है।

थाना सरायममरेज पुलिस द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, पीड़िता/अपहृता सकुशल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सरायममरेज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-231/2025 धारा 137(2)/87 भा0न्या0सं0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सौरभ गौतम पुत्र लक्ष्मण गौतम निवासी नेवादा बेला थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायममरेज पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-30.11.2025 को थाना सरायममरेज परिसर के पास से गिरफ्तार किया गया तथा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अपहृता/पीड़िता को सकुशल बरामद कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

मिशन शक्ति 5.0 – नारी शक्ति का नया आयाम

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उ0प्र0 सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजना 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत श्रीमान् पुलिस आयुक्त महोदय व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व श्रीमान् पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में आज दिनांक-30.11.2025 को गंगानगर जोन के समस्त थानों की महिला पुलिसकर्मियों/मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं/बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताकर जागरुक किया गया। टीम द्वारा बालिकाओं को साइबर सुरक्षा के सम्बंध में जानकारी देकर जागरुक किया गया एवं सोशल मीडिया को सावधानी पूर्वक प्रयोग करने के लिये भी सुझाव दिया गया। किसी भी शोहदों द्वारा परेशान करने पर तत्काल डायल-112 अथवा मिशन शक्ति टीम से शिकायत करने करने को बताया गया।

मिशन शक्ति टीम द्वारा महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को

विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर जैसे पुलिस आपात सेवा-112, वूमेन पावरलाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, सीएम हेल्पलाइन-1076, साइबर हेल्पलाइन-1930 व मिशन शक्ति केन्द्र आदि के बारें में जानकारी देकर जागरुक किया गया तथा पम्पलेट वितरित किया गया।

आसमान में उड़ते परिंदों की कतारें, पानी में तैरते झुंड... विदेशी पक्षियों से गुलजार हुआ सूर सरोवर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रुनकता। सूर सरोवर पक्षी विहार (कीठम झील) में सर्द हवाओं के साथ एक बार फिर प्रकृति का अनोखा उत्सव लौट आया है। हजारों किलोमीटर का सफर तय कर झील में आए प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट पर्यटकों का मनमोह रही है। हर सुबह आसमान में उड़ते परिंदों की कतारें, पानी में तैरते झुंड और पेलिकन के समूह द्वारा मछलियों का सामूहिक शिकार इन नजारों ने झील को आकर्षण का केंद्र बना दिया है।

कीठम झील में हजारों की संख्या में पहुंचे पक्षी

इस वर्ष झील में रोजी पेलिकन,डालमेशन पेलिकन, पेंटेड स्टार्क, डार्टर, नर्थन शावलर, विश्लिंग टिल, काम डक, पलाश गुल्स, ब्लैक-नेक स्टार्क, ग्रे हार्न, सारस क्रेन, बार-हेडेड गूज़ जैसे मेहमान पहुंच चुके हैं। वन विभाग के अनुसार, पर्यटकों की पसंदीदा प्रजाति फ्लेमिंगो (राजहंस) का भी अगले कुछ दिनों में झील में पहुंचना शुरू हो जाएगा। जो सर्दियों के अंत तक यहीं रुकेंगे। फ्लेमिंगो हर वर्ष सबसे बाद में आते हैं और सबसे बाद में ही लौटते हैं।

वन विभाग की टीम ने तेज की निगरानी

पक्षियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए झील क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है। हर साल झील में 90 से 100 प्रजातियों के पक्षी आते हैं जिसमें 25 विदेशी प्रजाति के पक्षी होते हैं। पिछले साल 30 हजार पक्षी आए थे।

टावर नंबर एक तक जाने की अनुमति

शोरगुल को रोकने के लिए तेज आवाज वाले वाहनों, लाउड म्यूजिक और हार्न पर रोक है। पर्यटकों को केवल टावर नंबर 1 तक जाने की अनुमति है। टावर नंबर 2, 3 और 4 को शांति बनाए रखने के उद्देश्य से बंद रखा गया है। पानी कम होने पर झील के भीतर उभरने वाले टापू निकल आते हैं।